MMCF Diary

Development of Government Girls' Senior Secondary School Udaipur by Maharana of Mewar Charitable Foundation The City Palace Udaipur

Established by:

Maharana Shambhu Singh
महाराणा शम्भुसिंह
r. 1861 - 1874 CE
71st Custodian of the House of Mewar

Development in guidance of:

Maharana Arvind Singh Mewar of Udaipur
महाराणा अरविन्दसिंह मेवाड़
r. 1984 - 2025 CE
76th Custodian of the House of Mewar

Shriji Huzur Dr. Lakshyaraj Singh Mewar of Udaipur
श्रीजी हुज़ूर डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़
Chairman and Managing Trustee
Maharana of Mewar Charitable Foundation
77th Custodian of the House of Mewar

Preamble

Maharana of Mewar Charitable Foundation, The City Palace, Udaipur is a public charitable trust registered under Rajasthan Public Trust Act 1959. An initiative of the custodian of the House of Mewar for perpetuation of its core values such as service to society and mankind also serves as a 'temple of inspiration' for future generations and continues the model of sustainability that is 'Eternal Mewar'. Operational since 1969, over 300 professionals are engaged in realizing this vision.

MMCF has taken the responsibility of preserving the remarkable tangible and intangible cultural heritage. This enormous responsibility is fulfilled through a comprehensive and informed set of initiatives. These include the maintenance and continued development of The City Palace Museum and the other projects preserving local culture through the celebration of festivals in the traditional manner, documenting and researching cultural practices and creating forums for knowledge transfer.

MMCF's Outreach Programme is in the field of academics, eco-management, philanthropic works and heritage conservation and promotion. The Foundation aims at contributing to a large-scale systematic change with a focus on establishing a center of excellence at Udaipur.

Government Girls' Senior Secondary School, formerly known as H.H. The Maharana Girls High School, Jagdish Chowk, Udaipur was constructed during the reign of Maharana Shambhu Singh, the 71st Custodian of The House of Mewar (r. 1861 - 1874 CE). The school was established in 1864 CE at Jagdish Chowk, Udaipur. Presently it is administered by the District Education Officer (Secondary), Udaipur under the Directorate of Education, Government of Rajasthan, Bikaner. Presently 500 girls are studying in the school from Class IX to XII.

Why Restoration through and by MMCF?

It is most necessary to clarify as to why MMCF is restoring the Government Girls' Senior Secondary School (GGSSS), Udaipur. The School Authorities approached Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur, Chairman and Managing Trustee of MMCF, the 76th Custodian of The House of Mewar to repair and restore the main building of the school. The matter was considered by the Board of Trustees of MMCF and it was decided to support the school request.

The reasoning for the decision is broadly enumerated below:

From the GGSSS Perspective:

a. There has been insufficient investment made towards repairs and maintenance in the GGSSS in the past.

b. The GGSSS building is presently in dilapidated state.

c. The District Education Officer, the authority, responsible for the school has expressed her inability to get any funds released from the Government for the GGSSS.

From MMCF Perspective:

a. The historic relationship between the GGSSS School and the House of Mewar.

b. The vast experience of MMCF to undertake restoration projects in such buildings.

c. The in-house availability of numerous consultants.

d. The large pool of master craftsmen and traditional skilled workmen with MMCF.

e. The close proximity of GGSSS which just outside the main entrance of the MMCF premises.

From the Practical Perspective:

a. The GGSSS has no experience in undertaking any such restoration project.

b. The GGSSS has no resource to undertake this project.

c. The school has no mechanism to receive specific donation and apply it to the project.

Therefore MMCF:

MMCF is fully committed toward completing this project. MMCF is therefore the nodal Organisation / NGO to complete this restoration for GGSSS. MMCF is not charging any fee for any work undertaken for this project. MMCF expects an acknowledgment for its contribution in arranging and executing this project to be placed on record and also displayed on the premises. The work is to be taken in 2 phases:

1. Outer facade and two classroom

2. Other classrooms and Hall

राष्ट्रदूत उदयपुर, 13 जुलाई, 2014

150 वर्ष पुराने विद्यालय का जीर्णोद्धार करेंगे अरविन्द सिंह मेवाड़

- 2 नवंबर 2014 को स्कूल में वार्षिक समारोह मनाया जाएगा
- विद्यालय में आज भी 60 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है

उदयपुर, 12 जुलाई (का.सं.)। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का शीघ्र ही जीर्णोद्धार किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर 2014 को स्कूल में वार्षिक समारोह मनाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया। किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य दामिनी दांत्या के निर्देशन में 60 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है।

कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा।

राजस्थान पत्रिका 7
उदयपुर, रविवार, 13 जुलाई 2014

150 वर्ष पुराने जगदीश चौक स्कूल का होगा जीर्णोद्धार

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन कराएगा

शंभू रतन पाठशाला था नाम, अब राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का शीघ्र ही जीर्णोद्धार किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन की विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। 2 नवंबर 2014 को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया था। इसके बाद महाराणा सज्जन सिंह ने पिता की स्मृति में विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। करीब 150 वर्ष पूर्व बना यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन आ गया। स्कूल में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग मांगा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। फाउण्डेशन आगामी सोमवार सुबह शुभ मूहूर्त में स्कूल का जीर्णोद्धार प्रारंभ करेगा। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरुस्त किया जाएगा।

Development of Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

जय राजस्थान दिनांक : 13 जुलाई, 2014

शंभू रत्न पाठशाला अब राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक

150 वर्ष पुराने विद्यालय का जीर्णोद्धार करेंगे अरविन्द सिंह मेवाड़

उदयपुर, 12 जुलाई। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का शीघ्र ही जीर्णोद्धार किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर 2014 को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्रीजी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। फाउण्डेशन आगामी सोमवार सुबह शुभ मूहूर्त में स्कूल का जीर्णोद्धार प्रारंभ करेगा। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा।

दैनिक नवज्योति सच्चा हमसफर

4 उदयपुर ■ रविवार ■ 13 जुलाई, 2014

150 वर्ष पुराने स्कूल का जीर्णोद्धार होगा

ब्यूरो/नवज्योति/उदयपुर

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का शीघ्र ही जीर्णोद्धार किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर 2014 को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। वर्तमान में स्कूल प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। फाउण्डेशन आगामी सोमवार सुबह शुभ मूहूर्त में स्कूल का जीर्णोद्धार प्रारंभ करेगा।

अपरान्ह टाइम्स उदयपुर, सोमवार 14 जुलाई, 2014

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन ने लिया जिम्मा

डेढ सौ वर्ष पुराने विद्यालय का जीर्णोद्धार होगा

उदयपुर, 14 जुलाई। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का शीघ्र ही जीर्णोद्धार किया जाएगा।

फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर 2014 को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। वर्तमान में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने फाउण्डेशन से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। फाउण्डेशन आगामी सोमवार सुबह शुभ मूहूर्त में स्कूल का जीर्णोद्धार प्रारंभ करेगा। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा।

Commencement of Project: 17 July 2014

Ms. Nivritti Kumari Mewar of Udaipur is seen starting the restoration work of school building by putting lime on the wall on 17th July 2014 as per the mahurat at 11.30 am

Ms. Nivritti Kumari Mewar of Udaipur along with school teachers on 17th July 2014

Eternal Mewar News

Development of Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

जय राजस्थान | दिनांक : 17 जुलाई, 2014 | पेज : 2

150 वर्ष पुराना है विद्यालय

जगदीश चौक बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार आज

उदयपुर, 16 जुलाई। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। गुरूवार सुबह 11 बजे स्कूल के जीर्णोद्धार का शुभारंभ श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ करणी पूजन से करेगी। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा।

विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर 2014 को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रख‌ा गया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है।

कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के

लेकसिटी राजस्थान पत्रिका 06 उदयपुर . शुक्रवार . 18.07.2014

जगदीश चौक स्कूल का जीर्णोद्धार शुरू

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से निवृत्ति कुमारी ने शंभू रत्न पाठशाला के मुख्य द्वार पर पूजन कर गुरुवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक के जीर्णोद्धार कार्य शुरू कराया। फाउण्डेशन के भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि वर्तमान में इस विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने जीर्णोद्धार का प्रस्ताव स्वीकृत किया था।

लेकसिटी राजस्थान पत्रिका 07 उदयपुर . गुरुवार . 17.07.2014

बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार आज से

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्रसिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों की ओर से स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। गुरुवार सुबह 11 बजे स्कूल के जीर्णोद्धार का आरंभ निवृत्ति कुमारी मेवाड़ करणी पूजन से करेंगी।

जय राजस्थान | दिनांक : 18 जुलाई, 2014 | पेज : 4

150 वर्ष पुराने जगदीश चौक बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार शुरू

उदयपुर, 17 जुलाई। मैं अपने माता-पिता की इकलौती पुत्री हूं और आज इस मुकाम पर हूं वो उन्हीं की देन है। मैं चाहती हूं कि हर अभिभावक अपनी पुत्रियों को एक पुत्र के समान दर्जा दे व हर ऊंचाई को प्राप्त करे।

यह बात महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर की ओर से लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की धर्मपत्नी श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने गुरूवार को यहां जगदीश चौक स्थित 150 वर्ष पूर्व निमार्णाधीन राजकीय बालिका उगा माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार समारोह में कही।

उदयपुर। शंभू रत्न पाठशाला की दीवार पर शिला पूजन करती निवृति कुमारी मेवाड़।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह जी के नाम पर स्थापित इस शंभू रत्न पाठशाला को मेवाड़ की अथवा उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था। वर्तमान में राजकीय बालिका उगा माध्यमिक विद्यालय के नाम से चल रहे इस बालिका विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। इस विषय में वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फ्राउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्रीजी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा।

विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर 2014 को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया। करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई।

गुरूवार को श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने स्कूल के प्राथमिक शंभू रत्न पाठशाला के मुख्य द्वार पर पूजन कर जीर्णोद्धार कार्य का प्रारंभ करवाया। इस अवसर पर फाउण्डेशन के पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग की अधिकारी श्रीमती कृष्णा चौहान सहित विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती दामिनी तांत्या सहित अभिभावक शिक्षक संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, गुरुवार 17 जुलाई, 2014

जगदीश चौक बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार आज

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। गुरूवार सुबह 11 बजे स्कूल के जीर्णोद्धार का शुभारंभ श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ करणी पूजन से करेगी। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा।

विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर को स्कूल का 150वां वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है।

दैनिक नवज्योति सच्चा हमसफर 4 उदयपुर ■ शुक्रवार ■ 18 जुलाई, 2014

150 वर्ष पुराने विद्यालय का जीर्णोद्धार शुरू

उदयपुर। मैं अपने माता-पिता की इकलौती पुत्री हूं और आज इस मुकाम पर हूं वो उन्हीं की देन है। मैं चाहती हूं कि हर अभिभावक अपनी पुत्रियों को एक पुत्र के समान दर्जा दे व हर ऊंचाई को प्राप्त करें। यह विचार महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन की निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने गुरुवार को यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार समारोह में व्यक्त किए।

फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह के नाम पर स्थापित यह उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला थी। वर्तमान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के नाम से चल रहे इस बालिका विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग की अधिकारी कृष्णा चौहान, विद्यालय की प्राचार्य दामिनी तांत्या आदि मौजूद थे।

शंभू रत्न पाठशाला की दीवार पर शिला पूजन करती निवृत्ति कुमारी मेवाड़

जननायक

जननायक, चित्तौड़गढ़ 7

शुक्रवार, 18 जुलाई 2014

150 वर्ष पुराने जगदीश चौक बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार शुरू

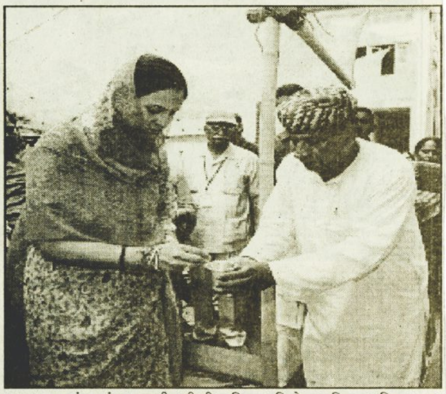

उदयपुर। मैं अपने माता-पिता की इकलौती पुत्री हूं और आज इस मुकाम पर हूं वो उन्हीं की देन है। मैं चाहती हूं कि हर अभिभावक अपनी पुत्रियों को एक पुत्र के समान दर्जा दे व हर ऊंचाई को प्राप्त करे।

यह बात महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन, उदयपुर की ओर से लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की धर्मपत्नी श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने गुरूवार को यहां जगदीश चौक स्थित *150 वर्ष* पूर्व निर्माणाधीन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार समारोह में कही।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन, उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह जी के नाम पर स्थापित इस शंभू रत्न पाठशाला को मेवाड़ की अथवा उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था। वर्तमान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के नाम से चल रहे इस बालिका विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। इस विषय में वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में *600 से अधिक* बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्रीजी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया जाएगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी 2 नवंबर *2014* को स्कूल का *150वां* वार्षिक समारोह मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया। करीब *150 वर्ष* पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई।

गुरूवार को श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने स्कूल के प्राथमिक शंभू रत्न पाठशाला के मुख्य द्वार पर पूजन कर जीर्णोद्धार कार्य का प्रारंभ करवाया। इस अवसर पर फाउण्डेशन के पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग की अधिकारी श्रीमती कृष्णा चौहान सहित विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती दामिनी तांत्या सहित अभिभावक शिक्षक संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

दैनिक भास्कर उदयपुर . शुक्रवार 18 जुलाई, 2014 4

जगदीश चौक स्कूल का जीर्णोद्धार शुरू

उदयपुर | स्थानीय जगदीश चौक स्थित 150 साल पुराने राजकीय बालिका उमावि का जीर्णोद्धार गुरुवार को शुरू हुआ। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरुस्त किया जाएगा। गुरूवार को निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने स्कूल के प्राथमिक शंभू रत्न पाठशाला के मुख्य द्वार पर पजन कर जीर्णोद्धार कार्य का प्रारंभ करवाया।

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, शुक्रवार 18 जुलाई, 2014

जगदीश चौक बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार शुरु

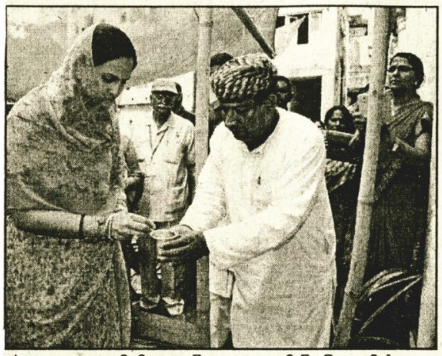

शंभू रत्न पाठशाला की दीवार पर शिला पूजन करती निवृत्ति कुमारी मेवाड़

उदयपुर। मैं अपने माता-पिता की इकलौती पुत्री हूं और आज इस मुकाम पर हूं वो उन्हीं की देन है। मैं चाहती हूं कि हर अभिभावक अपनी पुत्रियों को एक पुत्र के समान दर्जा दे व हर ऊंचाई को प्राप्त करे।

यह बात महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर की ओर से लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की धर्मपत्नी श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने गुरूवार को यहां जगदीश चौक स्थित 150 वर्ष पूर्व निमार्णाधीन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार समारोह में कही।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह के नाम पर स्थापित इस शंभू रत्न पाठशाला को मेवाड़ की अथवा उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था।

गुरूवार को श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने स्कूल के प्राथमिक शंभू रत्न पाठशाला के मुख्य द्वार पर पूजन कर जीर्णोद्धार कार्य का प्रारंभ करवाया। इस अवसर पर फाउण्डेशन के पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग की अधिकारी श्रीमती कृष्णा चौहान सहित विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती दामिनी तांत्या सहित अभिभावक शिक्षक संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रदूत उदयपुर, 18 जुलाई 2014 | 3

पुत्रियों को पुत्र के समान दर्जा दें: निवृत्ति मेवाड़

उदयपुर में शंभू रत्न पाठशाला की दीवार पर निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने शिला पूजन किया।

उदयपुर, 17 जुलाई(का.सं.)। 'मै अपने माता-पिता की इकलौती पुत्री हूं

■ जगदीश चौक बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार शुरू

और आज इस मुकाम पर हूं वो उन्हीं की देन है। मै चाहती हूं कि हर अभिभावक अपनी पुत्रियों को एक पुत्र के समान दर्जा दें व हर ऊंचाई को प्राप्त करें'। यह बात महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर की ओर से लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पत्नी निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने गुरूवार को यहां जगदीश चौक स्थित 150 वर्ष पूर्व निमार्णाधीन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार समारोह में कही।

"महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह जी के नाम पर स्थापित इस शंभू रत्न पाठशाला को मेवाड़ अथवा उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था। वर्तमान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के नाम से चल रहे इस बालिका विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्वार की आवश्यकता थी। इस विषय में वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्वार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरुस्त किया जाएगा। गुरूवार को निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने स्कूल के प्राथमिक शंभू रत्न पाठशाला के मुख्य द्वार पर पूजन कर जीर्णोद्वार कार्य शुरू करवाया।

UDAIPUR PLUS

wednesday July 30, 2014 • vol.7 issue 40

wednesday, july 30, 2014
udaipur plus

citywatch

For the cause of education

ARVIND SINGH MEWAR OF UDAIPUR HAS DECIDED TO TAKE ON THE RESTORATION OF THE GOVERNMENT GIRLS' SENIOR SECONDARY SCHOOL, UDAIPUR

Nivritti Kumari Mewar of Udaipur along with school teachers and students

The Maharana of Mewar Charitable Foundation, The City Palace, Udaipur is an initiative of the custodian of the House of Mewar for perpetuation of its core values such as service to society and mankind. The foundation's current outreach is in the field of academics, eco-management, philanthropic works and heritage conservation and promotion.

Formerly known as HH The Maharana Girls High School, Jagdish Chowk, Udaipur was constructed during the reign of Maharana Shambhu Singh, the 71st Custodian of The House of Mewar (1861 - 1874 AD). The school was established by Maharana Shambhu Singh in 1864 AD at Jagdish Chowk, Udaipur. It is administered by the District Education Officer (Secondary), Udaipur under the Directorate of Education, Government of Rajasthan, Bikaner. Presently 600 girls are studying in the school from Class IX to XII. The school is celebrating its 150th anniversary on November, 2, 2014..

Work started at the outer façade of the school building.

Nivritti Kumari Mewar of Udaipur is seen starting the restoration work of the school building

Envisioned restoration

The salient features of the restoration of the school to be carried out include the use of experienced conservation professionals, well qualified and experienced site supervisors, traditional master craftsmen, skilled workers with proper plans.

MMCF restored the eastern and western façade of the school building.
The cost of the project was Rs. 33 lakhs for Phase I.

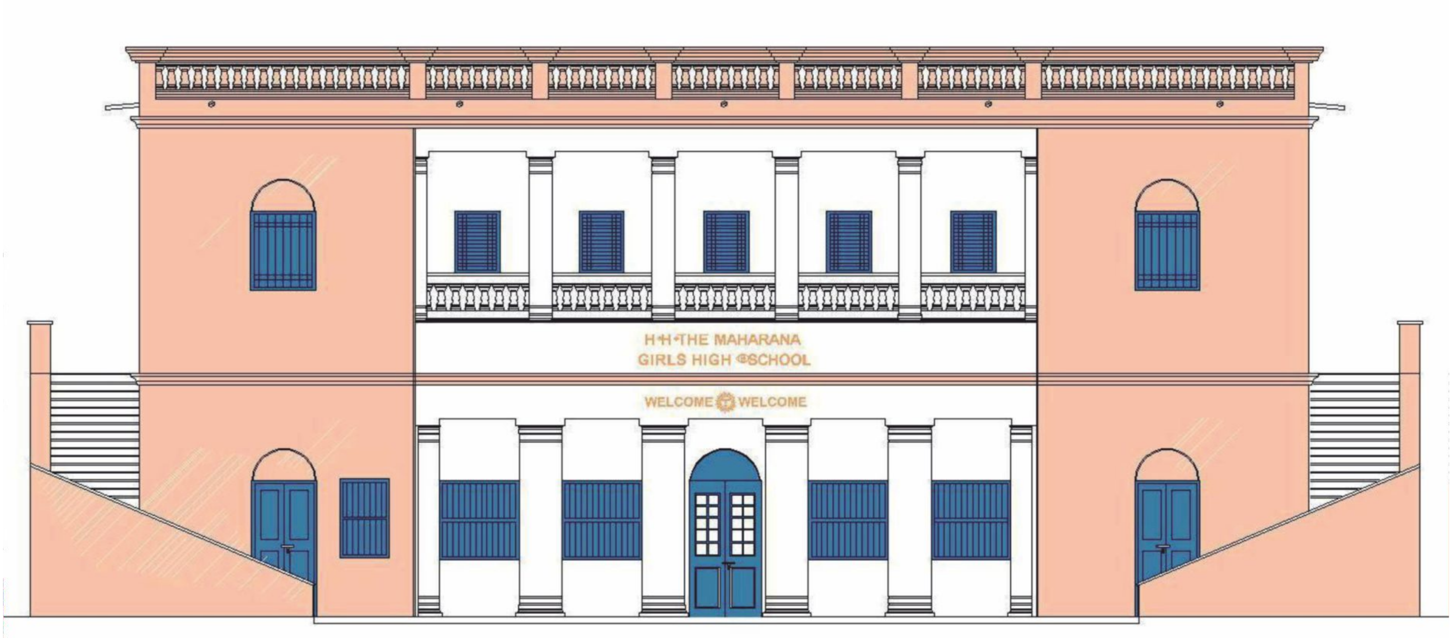

Elevation Drawing of the School

1st Phase - Restoration at a glance

Before (Western Facade)

After (Western Facade)

Before (Eastern Facade)

After (Eastern Facade)

Before (Main Entrance)

After (Main Entrance)

दैनिक भास्कर उदयपुर बुधवार 28 जनवरी, 2015 11

स्कूल का स्थापना दिवस समारोह आज

उदयपुर | महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का 150वां स्थापना दिवस बुधवार को मनाया जाएगा। इस दौरान समारोह होगा।

दैनिक नवज्योति उदयपुर ■ बुधवार, 28 जनवरी, 2015

विद्यालय का जीर्णोद्धार पूर्ण

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की बुधवार को 150वीं जयंती पर समारोह आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फाउण्डेशन ने हाल ही में विद्यालय के प्रथम चरण का जीर्णोद्धार पूर्ण किया है। समारोह की मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड़ होगी।

राष्ट्रदूत उदयपुर, 28 जनवरी, 2014 7

जयंती समारोह आज

उदयपुर, (कासं)। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की बुधवार को 150 वीं जयंती समारोह आज किया जाएगा। मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड होगी। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह जी के नाम पर उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था।

Celebration of 150th anniversary of the school held on 28th January 2015

Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur, celebrated 150th Anniversary of the school. The school was founded by Maharana Shambhu Singh in 1864. The function was presided over by Ms.Nivritti Kumari Mewar and attended by Mr. Lakshyaraj Singh Mewar, Trustee, MMCF; His Highness Maharaja Sahib Kanak Vardhan Singh Ji Deo of Patna Balangir, Her Highness Maharani Sahiba Sangeeta Kumari Devi of Patna Balangir, Ms. Vinita Bohra, RAS, Director SIERT; Ms. Krishna Chauhan, District Education Officer; Officials of District Education Board, Government of Rajasthan, Udaipur and MMCF Officials.

Ms. Nivritti Kumari Mewar of Udaipur along with the school officials in front of inauguration plaque on 28th January 2015

Ms. Nivritti Kumari Mewar of Udaipur presenting the excellence certificate to teachers on 28th January 2015

राजस्थान पत्रिका उदयपुर
THURSDAY
29.01.15

जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के वर्षगांठ पर उपस्थित निवृत्ति कुमारी मेवाड़ सहित शिक्षा अधिकारी तथा उपस्थित छात्राएं

मेवाड़ में नारी सशक्तिकरण की परम्परा

plus रिपोर्टर
plusreporter@patrika.com

उदयपुर. नारी सशक्तिकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में रखी गई। हम आज भी उस परंपरा पर कायम है, आने वाले सालों में भी इस पर कायम रहेंगे। यह बात जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने कही। कार्यक्रम के अतिथि फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि फाउण्डेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया गया है। इस अवसर पर महाराणा शंभूसिंह के हकीकत बहिड़े एवं विद्यालय की स्मारिका उड़ान का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में एसआईईआरटी की निदेशक विनीता बोहरा, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा चौहान, पटना बालांगीर रियासत के कनकवर्द्धन सिंह देव उपस्थित थे।

हुए विविध आयोजन

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर के न्यासी एवं एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स उदयपुर के कार्यकारी निदेशक लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के 30वें जन्मोत्सव पर बुधवार को विविध आयोजन हुए। इस अवसर पर गणमान्य नागरिकों ने सिटी पैलेस में शिरकत कर उनको बधाई दी। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के जन्मदिवस पर उदयपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन, महाराणा प्रताप स्मारक समिति, एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स उदयपुर, राजस्थान क्रिकेट संघ के समस्त अधिकारियों, सरकारी व निजी स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बधाई दी। इस अवसर पर खासतौर से प्रख्यात ज्योतिषविद् बेजान दारूवाला गुजरात से उदयपुर पहुंचे। उन्होंने मेवाड़ को बधाई दी। उदयपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से शिकारबाड़ी ग्राउंड में रक्तदान शिविर लगाया गया। क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। समाज सेवा का उद्देश्य और बच्चों को भोजन और उनके पुनर्वास को लेकर कार्यरत स्वयं सेवी संस्थान सौहार्दया का टी-शर्ट लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने लांच किया। रक्तदान करने वाले लोगों को लक्ष्यराज सिंह द्वारा टी-शर्ट प्रदान किए गए।

जय राजस्थान दिनांक : 29 जनवरी, 2015

ाजकीय बालिका उमा माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक का 150वीं जयंती समारोह संपन्न

150 वर्ष पूर्व कन्या शिक्षा की अलख जगाई, आज भी है और आगे भी रहेगी : निवृत्ति कुमारी मेवाड़

उदयपुर। नवनिर्मित लोकार्पण पट्टिका का लोकार्पण करती निवृत्ति कुमारी मेवाड़। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं।

उदयपुर, 28 जनवरी। वर्तमान में संपूर्ण संसार में हो रहे नारी सशक्तिकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में रखी गई। हम आज भी उस परंपरा पर कायम है और आशा है कि आने वाले 150 वर्ष बाद भी इस पर कायम रहेंगे। यह उद्बोधन बुधवार को यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उमा माध्यमिक विद्यालय (पूर्व नाम शंभूरत्न पाठशाला) के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड़ नें दिए। इस समारोह में उन्होंने कन्या बचाओं एवं कन्या पढ़ाओ की धारणा में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर ने मेवाड़ वंश के पूर्व महाराणा शंभूसिंह जी द्वारा स्थापित शंभूरत्न पाठशाला का प्रथम चरण में पुनर्निर्माण करवाया है। उन्होंने स्कूल की 150वीं जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई दी।

कार्यक्रम के अतिथि फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि फाउण्डेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्कूल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में एसआईईआरटी की निदेशक श्रीमती विनीता बोहरा, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा चौहान, पटना बालांगीर रियासत के पूर्व महाराजा कनकवर्द्धन सिंह देव एवं उनकी पत्नी संगीता कुमारी देव सहित शिक्षक अभिभावक संघ के पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं शिक्षाअधिकारी उपस्थित थे।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह जी के नाम पर स्थापित इस शंभू रत्न पाठशाला को मेवाड़ की अथवा उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था। वर्तमान में राजकीय बालिका उमा माध्यमिक विद्यालय के नाम से चल रहे इस बालिका विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। इस विषय में वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्रीजी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है।

उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, गुरुवार 29 जनवरी 2015

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक का 150वीं जयंती समारोह संपन्न

150 वर्ष पूर्व कन्या शिक्षा की अलख आगे भी रहेगी: निवृत्ति कुमारी

नवनिर्मित लोकार्पण पट्टिका का लोकार्पण करती निवृत्ति कुमारी

उदयपुर। वर्तमान में संपूर्ण संसार में हो रहे नारी सशक्तिकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में रखी गई। हम आज भी उस परंपरा पर कायम है और आशा है कि आने वाले 150 वर्ष बाद भी इस पर कायम रहेंगे। यह उद्बोधन बुधवार को यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (पूर्व नाम शंभूरत्न पाठशाला) के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने दिए। इस समारोह में उन्होंने कन्या बचाओं एवं कन्या पढ़ाओ की धारणा में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर ने मेवाड़ वंश के पूर्व महाराणा शंभूसिंह जी द्वारा स्थापित शंभूरत्न पाठशाला का प्रथम चरण में पुनर्निर्माण करवाया है। उन्होंने स्कूल की 150वीं जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई दी।

कार्यक्रम के अतिथि फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि फाउण्डेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्कूल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में एसआईईआरटी की निदेशक श्रीमती विनीता बोहरा, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा चौहान, पटना बालांगीर रियासत के पूर्व महाराजा कनकवर्द्धन सिंह देव एवं उनकी पत्नी संगीता कुमारी देव सहित शिक्षक अभिभावक संघ के पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं शिक्षाअधिकारी उपस्थित थे।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व स्थापित मेवाड़ रियासत के पूर्व महाराणा शंभू सिंह जी के नाम पर स्थापित इस शंभू रत्न पाठशाला को मेवाड़ की अथवा उदयपुर की पहली बालिका पाठशाला के रूप में स्थापित किया गया था। वर्तमान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के नाम से चल रहे इस बालिका विद्यालय की 150 वर्ष पुरानी इमारत को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। इस विषय में वर्तमान में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। इस कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी हिस्सों को दुरस्त किया गया है। इस अवसर पर महाराणा शंभूसिंह जी के हकीकत बहिड़े एवं विद्यालय की स्मारिका उड़ान का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने ईशवंदना द्वारा अतिथियों का स्वागत किया एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

अपरान्ह टाइम्स उदयपुर, गुरूवार 29 जनवरी, 2015 3

राजकीय बालिका उमावि का जयंती समारोह

उदयपुर, 29 जनवरी । ''वर्तमान में संपूर्ण संसार में हो रहे नारी सशक्तिकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड में रखी गई। हम आज भी उस परंपरा पर कायम है और यह आने वाले वर्षों तक कायम रहेगी।''

यह उद्बोधन बुधवार को यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (पूर्व नाम शंभूरत्न पाठशाला) के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड ने दिए। कार्यक्रम के अतिथि फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड ने बताया कि फाउण्डेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर परएसआईईआरटी की निदेशक श्रीमती विनीता बोहरा, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा चौहान, पटना बालांगीर रियासत के पूर्व महाराजा कनकवर्द्धन सिंह देव एवं उनकी पत्नी संगीता कुमारी देव सहित शिक्षक अभिभावक संघ के पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं शिक्षाअधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाराणा शंभूसिंह जी के हकीकत बहिडे एवं विद्यालय की स्मारिका उडान का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने ईशवंदना द्वारा अतिथियों का स्वागत किया एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

Development of Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

राष्ट्रदूत उदयपुर, 29 जनवरी, 2015 3

विद्यालय का जयंती समारोह

उदयपुर, (कासं)। वर्तमान में संपूर्ण संसार में हो रहे नारी सशक्तिकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में रखी गई। हम आज भी उस परंपरा पर कायम है और यह आने वाले वर्षों तक कायम रहेगी।

यह उद्बोधन बुधवार को यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (पूर्व नाम शंभूरत्न पाठशाला) के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने दिए। कार्यक्रम के अतिथि फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि फाउण्डेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। परएसआईईआरटी की निदेशक विनीता बोहरा, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा चौहान, पटना बालांगीर रियासत के पूर्व महाराजा कनकवर्द्धन सिंह देव एवं उनकी पत्नी संगीता कुमारी देव सहित शिक्षक अभिभावक संघ के पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं शिक्षाअधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान पत्रिका 10 उदयपुर. बुधवार. 28.01.2015

शहर में आज

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से जगदीश चौक स्थित बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का 150 वां जयंती समारोह।

दैनिक नवज्योति सच्चा हमसफर
उदयपुर ■ गुरुवार, 29 जनवरी, 2015 5

मेवाड़ में रखी गई थी नारी सशक्तिकरण की नींव : निवृत्ति कुमारी

उदयपुर। वर्तमान में संपूर्ण संसार में हो रहे नारी सशक्तिकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में रखी गई। हम आज भी उस परंपरा पर कायम हैं और आशा है कि आने वाले 150 वर्ष बाद भी इस पर कायम रहेंगे। यह उद्बोधन बुधवार को यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने दिए।

समारोह में उन्होंने कन्या बचाओ एवं कन्या पढ़ाओ की धारणा में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन ने मेवाड़ वंश के पूर्व महाराणा शंभूसिंह जी द्वारा स्थापित शंभूरत्न पाठशाला का प्रथम चरण में पुनर्निर्माण करवाया है।

पट्टिका का लोकार्पण करती निवृत्ति कुमारी मेवाड़।

कार्यक्रम के अतिथि फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि फाउण्डेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। एसआईईआरटी की निदेशक श्रीमती विनीता बोहरा, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा चौहान, कनकवर्द्धन सिंह देव एवं उनकी पत्नी संगीता कुमारी देव सहित शिक्षक अभिभावक संघ के पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं शिक्षाअधिकारी उपस्थित थे।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है।

दैनिक भास्कर उदयपुर, गुरुवार 29 जनवरी, 2015 8

कायम रखेंगे नारी सशक्तीकरण की परम्परा

नारी सशक्तीकरण की नींव 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में ही रखी गई थी। आज हम उस परम्परा पर कायम है और आशा है कि आने वाले समय में भी कायम रखेंगे। यह बात बुधवार को जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की स्थापना की 150वीं जयंती और जीर्णोद्धार अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने व्यक्त किए। अतिथि फाउंडेशन ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि फाउंडेशन स्कूली शिक्षा एवं खासतौर से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम में एसआईईआरटी कार्यवाहक निदेशक विनीता बोहरा एवं डीईओ भरत मेहता भी मौजूद थे।

Launch of book 'Haqiqat Bahida' on 28th January 2015

The omnibus book 'Haqiqat Bahida' an eye glass view of Maharana Shambhu Singh's life was launched. The Maharana had been the 71st Custodian of The House of Mewar (r. 1861 – 1874 AD), and this book is based on his daily journal. Ms. Nivritti Kumari Mewar of Udaipur launched the book at The Govt. Girl's Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur.

The book is divided into two volumes - Volume 1 comprising of 561 pages and Volume 2 of 746 pages. Written in Hindi, English and the local dialect of Mewar, the book incorporates a number of beautiful black and white as well as coloured photographs, paintings of Maharana Shambhu Singh.

Haqiqat Bahida compiling and editing done by Mr. Bhupendra Singh Auwa. It has been published by Maharana Mewar Historical Publications Trust, Udaipur researched by Maharana Mewar Research Institute, Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur. The biography is written by Mr. Narayan Lal Sharma, Udaipur. In the preface, Haqiqat Bahida shows the golden era of the Maharana's regime over 14 years, from 17 November 1861 to 7 October 1874. This collection will be very illuminating for historians and scholars. The book can be purchased from Udaya Museum Book Shop, The City Palace, Udaipur, Rajasthan.

Ms. Nivritti Kumari Mewar of Udaipur releasing haqiqat bahida of Maharana Shambhu Singh

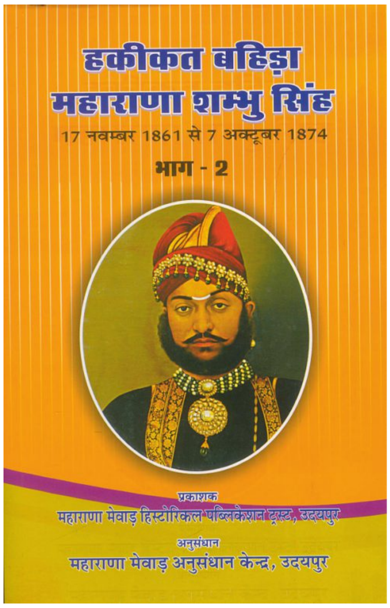

Front cover of the book 'Haqiqat Bahida'

Front cover of Souvenir published by Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

2nd Phase development of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk

The 2nd phase of restoration and renovation which includes a big hall, four classrooms and two laboratories on the first floor of the school building commenced on 2nd May 2015. The total cost of the project was 30 lakhs.
This restoration and renovation of school building is being conducted under the project titled 'Education in Udaipur' initiated by Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur.

Commencement of 2nd phase on 2nd May 2015

Officials of School and MMCF during the Pooja Ceremony on 2nd May 2015

School Teachers attending the Ceremony

6 उदयपुर शुक्रवार 15 मई, 2015 अपराह्न टाइम्स

डेढ सौ वर्ष पुराने बालिका विद्यालय के द्वितीय चरण का जीर्णोद्धार प्रारंभ

उदयपुर, 15 मई। महाराणा मेवाड़ रिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक थत राजकीय बालिका उच्च ध्यमिक विद्यालय का द्वितीय रण में जीर्णोद्धार शुरू किया या है। इसके तहत स्कूल के क बड़े हॉल, चार कक्षा कक्ष था दो प्रयोगशालाओं का ीर्णोद्धार होगा।

फाउण्डेशन के उपसचिव वकास डॉ. मयंक गुप्ता ने ताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ ासकों द्वारा स्थापित इस द्यालय के भवन का विरासत वं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए ाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। ल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने दयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया।

करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। स्कूल में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। इसी कड़ी में अब द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया गया है। द्वितीय चरण के जीर्णोद्धार को फाउण्डेशन के अधिकारियों एवं स्कूल प्रशासन ने विधिवत करणी पूजा-अर्चना के साथ कार्य प्रारंभ किया।

दैनिक नवज्योति उदयपुर, शुक्रवार, 15 मई, 2015

150 वर्ष पुराने बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार प्रारंभ

उदयपुर। नवनिर्मित स्कूल का मुख्य द्वार।

ब्यूरो, नवज्योति/ उदयपुर

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का द्वितीय चरण में जीर्णोद्धार शुरू किया गया है। इसके तहत स्कूल के एक बड़े हॉल, चार कक्षा कक्ष तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार होगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखा था। करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया। स्कूल के प्राचार्य दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इस प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रुपए खर्च किए। इसी कड़ी में अब द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया गया है।

राजस्थान पत्रिका 08 उदयपुर . शुक्रवार . 15.05.2015

विद्यालय का जीर्णोद्धार

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से गुरुवार को जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का द्वितीय चरण में जीर्णोद्धार शुरू किया गया है। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि फाउण्डेशन के अध्यक्ष अरविन्द सिंह मेवाड़ ने विद्यालय के जीर्णोद्धार को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। विद्यालय के जीर्णोद्धार में दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाएं बनेंगी।

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, शुक्रवार 15 मई, 2015

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

150 वर्ष पुराने बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार प्रारंभ

स्कूल जीर्णोद्धार प्रारंभ करने से पूर्व पूजा-अर्चना करते एमएमसीएफ के अधिकारी

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का द्वितीय चरण में जीर्णोद्धार शुरू किया गया है। इसके तहत स्कूल के एक बड़े हॉल, चार कक्षा कक्ष तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार होगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के उपसचिव विकास डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित इस विद्यालय के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन इसका जीर्णोद्धार करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। यहां पर खासतौर से बालिकाओं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गणित के विषय विशेषज्ञ नियुक्त किए गए। जिन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित किया। करीब 150 वर्ष पूर्व का यह भवन बाद में शिक्षा विभाग के अधीन हो गया किन्तु अत्यंत प्राचीन होने पर इसके रखरखाव की बेहद आवश्यकता हुई। स्कूल के प्राचार्य श्रीमती दामिनी दांत्या के निर्देशन में 600 से अधिक बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाले इस विद्यालय के जीर्णोद्धार की आवश्यकता को लेकर स्कूल प्रशासन ने महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर से सहयोग चाहा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्रीजी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। प्रथम चरण में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। इसी कड़ी में अब द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया गया है। द्वितीय चरण के जीर्णोद्धार को फाउण्डेशन के अधिकारियों एवं स्कूल प्रशासन ने विधिवत करणी पूजा-अर्चना के साथ कार्य प्रारंभ किया।

2 wednesday, may 20, 2015
udaipur plus
citybuzz

Restoration work at Government girls senior secondary school

The Maharana of Mewar Charitable Foundation has completed the restoration and renovation of the outer façade and two classrooms of the Government Girls' Senior Secondary School earlier known as Shambhu Ratna Pathshala.

The II phase of restoration and renovation which includes a big hall, four classrooms and two laboratories on the first floor of the school building commenced on May 2. The salient features of the restoration to be carried out includes the use of experienced conservation professionals, well qualified and experienced site supervisors, traditional master craftsmen, skilled workers with proper plans.

This restoration and renovation of school building is being undertaken under the project titled 'Education in Udaipur' initiated by Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur.

2nd Phase - Work in progress

Bhamashah State Level Award 2015

Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF), Udaipur has been selected for the prestigious 21st Bhamashah State Level Award 2015 by the Department of Education, Government of Rajasthan, Bikaner, Rajasthan for the development of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur. This award is given out to individuals, corporate and organisations who have spent more than 10 lakhs in a financial year for the betterment and development of Government Schools in Rajasthan. MMCF's contribution in terms of restoration and renovation of school building has been counted to the amount of Rs. 33 lacs.

The 21st Bhamasha Samman 2015 was awarded to Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur by the Chief Guest The Hon'ble Governor of Rajasthan, Shri Kalyan Singh ji in presence of Prof. Vasudev Devnani, Minister of State for Primary and Secondary Education, Government of Rajasthan; Shri Surendra Goyal, Minister of Rural Development and Panchayati Raj, Government of Rajasthan along with Officials of Department of Education, on 28th June 2015 at Birla Auditorium, Jaipur. Dr. Mayank Gupta, Deputy Secretary MMCF – Development and Col D B Acharya, Chief Engineer – Projects represented Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur.

This award was instituted by Government of Rajasthan in 1995. There were total of 77 awardees for 21st Bhamashah Samman 2015 and 20 Motivators.

Ms. Damini Dantya, Principal, Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur who was also awarded souvenir in the category of 'Motivator' for this project.

Dr. Mayank Gupta receiving the 21st Bhamasha Samman 2015 on behalf of Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur from the Chief Guest The Hon'ble Governor of Rajasthan, Shri Kalyan Singh and Prof. Vasudev Devnani, Minister of State for Primary and Secondary Education, Government of Rajasthan

राजस्थान सरकार
21वाँ राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2015
प्रशस्ति पत्र
महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर
का
उनके द्वारा शैक्षिक उन्नयन में भामाशाह के रूप में
राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक, उदयपुर
में उपलब्ध कराये गये योगदान के लिए हार्दिक अभिनन्दन

(बी.एल. मीना)
निदेशक
प्रारम्भिक शिक्षा विभाग
राजस्थान, बीकानेर

जयपुर, 28 जून, 2015

(कुंजी लाल मीना)
शासन सचिव
प्रारम्भिक शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार

From left: Col D.B. Acharya, Ms. Damini Dantya and Dr. Mayank Gupta

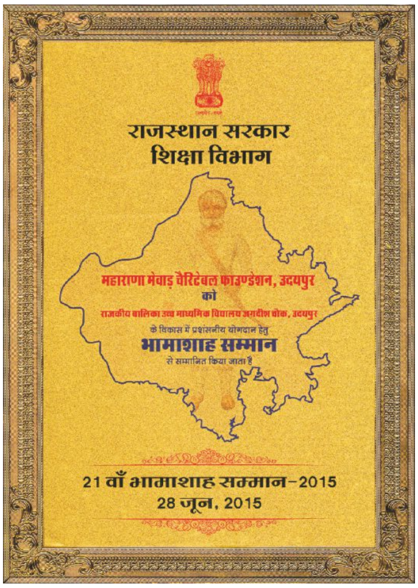

राजस्थान सरकार
शिक्षा विभाग
महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर
को
राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक, उदयपुर
के विकास में प्रशंसनीय योगदान हेतु
भामाशाह सम्मान
से सम्मानित किया जाता है
21 वाँ भामाशाह सम्मान–2015
28 जून, 2015

Certificates

अपराह्न टाइम्स उदयपुर, सोमवार 22 जून, 2015 **5**

बालिका शिक्षा में योगदान पर महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन को मिलेगा सम्मान

उदयपुर, 22 जून। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार करवाए जाने पर शिक्षा विभाग द्वारा फाउण्डेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान के निर्देशक बाबूलाल मीणा ने फाउण्डेशन को पत्र भेजकर राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किए जाने की जानकारी दी। भामाशाह जयंती के अवसर पर 28 जून को प्रात: 11 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। फाउण्डेशन के प्रतिनिधि समारोह में उपस्थित रहेंगे।

आत्मा की ज्वाला डूंगरपुर | मंगलवार, 23 जून 2015 **3**

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन का बालिका शिक्षा में योगदान

राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान मिलेगा

उदयपुर, 22 जून। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार करवाए जाने पर शिक्षा विभाग द्वारा फाउण्डेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान के निर्देशक बाबूलाल मीणा ने फाउण्डेशन को पत्र भेजकर राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किए जाने की जानकारी दी। भामाशाह जयंती के अवसर पर 28 जून को प्रात: 11 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। फाउण्डेशन के प्रतिनिधि समारोह में उपस्थित रहेंगे।

दैनिक भास्कर उदयपुर मंगलवार 23 जून, 2015 **13**

भामाशाह सम्मान 28 को जयपुर में

उदयपुर | महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन ने जगदीश चौक स्थित राजकीय बाउमावि का जीर्णोद्धार करवाया। इसके लिए शिक्षा विभाग फाउंडेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान से नवाजा जाएगा।

भामाशाह जयंती पर 28 जून को जयपुर में होने वाले राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउंडेशन को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। वहां राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेशभर के भामाशाहों का सम्मान होगा।

जय राजस्थान दिनांक : 23 जून, 2015 पेज : 4

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर, 22 जून। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उगा माध्यमिक विद्यालय के जीर्णोद्धार करवाए जाने पर शिक्षा विभाग द्वारा फाउण्डेशन की रा%य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उगा माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। उगेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान के निर्देशक बाबूलाल मीणा ने फाउण्डेशन को पत्र भेजकर रा%य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किए जाने की जानकारी दी। भामाशाह जयंती के अवसर पर 28 जून को प्रात: 11 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेज्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। फाउण्डेशन के प्रतिनिधि समारोह में उपस्थित रहेंगे।

राजस्थान पत्रिका 06 उदयपुर . मंगलवार . 23.06.2015

मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को मिलेगा भामाशाह सम्मान

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन की ओर से जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार करवाने पर शिक्षा विभाग की ओर से राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान के निदेशक बाबूलाल मीणा ने फाउंडेशन को पत्र भेजकर यह सम्मान देने की जानकारी दी। भामाशाह जंयती के अवसर पर 28 जून को जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउंडेशन को, यंह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

दैनिक बांसवाड़ा केसरी उदयपुर, 30 जून 2015, मंगलवार

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

उदयपुर, 29 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वां भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया।

विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। रविवार को भामाशाह जयंती के अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया गया है। फाउण्डेशन द्वारा जीर्णोद्धार के प्रथम चरण पूर्ण करने पर यह सम्मान प्रदान किया गया। जगदीश चौक स्कूल की प्राचार्य को भी प्रेरक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

दैनिक नवज्योति 4 उदयपुर ■ मंगलवार ■ 30 जून, 2015

महाराणा फाउंडेशन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वें भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउंडेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री सुरेंद्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया। फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा जगदीश चौक में स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन के विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व देखते हुए फाउंडेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीब 33 लाख रुपए खर्च हुए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो लैब का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर के इस पहले विद्यालय का निर्माण कराया था। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया।

जय राजस्थान दिनांक : 30 जून, 2015 पेज : 4

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री से भामाशाह सम्मान प्राप्त करते डॉ. मयंक गुप्ता।

उदयपुर, 29 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वां भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उग्र माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। रविवार को भामाशाह जयंती के अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया गया है। फाउण्डेशन द्वारा जीर्णोद्धार के प्रथम चरण पूर्ण करने पर यह सम्मान प्रदान किया गया। जगदीश चौक स्कूल की प्राचार्य को भी प्रेरक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सम्मान के तहत प्रदान किया गया प्रशस्ति पत्र।

दैनिक भास्कर उदयपुर, मंगलवार 30 जून, 2015 3

भामाशाह सम्मान प्रदान किया

उदयपुर | महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान दिया गया। यह सम्मान जयपुर में शिक्षा विभाग के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में दिया गया। पुरस्कार फाउंडेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने प्राप्त किया। समारोह में जगदीश चौक स्थित राबाउमावि की प्रधानाचार्य दामिनी दौंत्यां को प्रेरक के रूप में सम्मानित किया गया।

राजस्थान पत्रिका . उदयपुर. TUESDAY 30.06.15

जिंक व एमएमसीएफ को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

भामाशाह सम्मान प्राप्त करते जिंक के सीएसआर अधिकारी जावेद अहसान एव बी.एल.सुखवाल तथा एमएमसीएफ के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता।

plus रिपोर्टर
plusreporter@patrika.com

उदयपुर. जयपुर में शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय 21वें भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन व हिन्दुस्तान जिंक को उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने यह सम्मान प्राप्त किया। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्रसिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। फाउण्डेशन द्वारा जीर्णोद्धार के प्रथम चरण पूर्ण करने पर यह सम्मान प्रदान किया गया। जगदीश चौक स्कूल की प्राचार्य को भी प्रेरक पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसी श्रेणी में हिन्दुस्तान जिंक की इकाई रामपुरा आगूंचा माइंस एवं राजपुरा दरीबा कॉम्पलेक्स को भामाशाह अवार्ड प्रदान किया गया। यह अवार्ड शिक्षा के क्षेत्र में 91.36 लाख रुपए खर्च कर 72 स्कूलों का विकास करने पर प्रदान किया गया। हिन्दुस्तान जिंक के हैड-कोर्पोरेट कम्यूनिकेशन पवन कौशिक ने बताया कि हिन्दुस्तान जिंक ने अपनी इकाइयों के आस-पास के विद्यालयों को गोद ले रखा है और इनमें आवश्यकता अनुसार चारदीवारी, कक्षा-कक्ष, मरम्मत एवं शौचालयों का निर्माण करवाया। कंपनी की ओर से यह पुरस्कार सीएसआर अधिकारी जावेद अहसान एव बीएल सुखवाल ने ग्रहण किया। वहीं, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक की प्राचार्य दामिनी दात्यांको विद्यालय के जीर्णोद्धार कार्य के अंतर्गत प्रेरक के रूप में सम्मानित किया गया।

राष्ट्रदूत उदयपुर, 30 जून, 2015 3

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन को भामाशाह सम्मान

उदयपुर, (कासं)। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वां भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया। रविवार को भामाशाह जयंती के अवसर पर बिडला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया गया है।

अपरान्ह टाइम्स उदयपुर मंगलवार 30 जून, 2015

बालिका शिक्षा में योगदान पर राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर, 29 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वां भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया।

फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। रविवार को भामाशाह जयंती के अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल,

(शेष पृष्ठ चार पर)

बालिका शिक्षा......

(पृष्ठ पांच का शेष)

जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया गया है। फाउण्डेशन द्वारा जीर्णोद्धार के प्रथम चरण पूर्ण करने पर यह सम्मान प्रदान किया गया। जगदीश चौक स्कूल की प्राचार्य को भी प्रेरक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

आत्मा की ज्वाला डूंगरपुर । मंगलवार, 30 जून 2015 3

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

भामाशाह सम्मान से सम्मानित

उदयपुर, 29 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वां भामाशाह सम्मान समारोह-2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया।

पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है।

रविवार को भामाशाह जयंती के अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया गया है।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न फाउण्डेशन द्वारा जीर्णोद्धार के प्रथम चरण पूर्ण करने पर यह सम्मान प्रदान किया गया। जगदीश चौक स्कूल की प्राचार्य को भी प्रेरक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, मंगलवार 30 जून, 2015

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री से भामाशाह सम्मान प्राप्त करते डॉ. मयंक गुप्ता

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय 21वां भामाशाह सम्मान समारोह–2015 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। फाउण्डेशन के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने राज्यपाल कल्याण सिंह, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल से यह सम्मान प्राप्त किया।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है।

रविवार को भामाशाह जेयंती के अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में आयोजित इस वर्ष के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन को यह सम्मान प्रदान किया गया है। फाउण्डेशन द्वारा जीर्णोद्धार के प्रथम चरण पूर्ण करने पर यह सम्मान प्रदान किया गया। जगदीश चौक स्कूल की प्राचार्य को भी प्रेरक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

THE TIMES OF INDIA, JAIPUR
TUESDAY, JUNE 30, 2015

Guv says Akbar did no service to nation

Calls Pratap Truly A Great Ruler

Times News Network

Arvind Sharma

Governor Kalyan Singh presents Bhamashah Award to an awardee at a felicitation programme held at Birla Auditorium in Jaipur on Sunday

Jaipur: Now, governor Kalyan Singh too has joined the brigade slamming Mughal emperor Akbar on Sunday. Speaking at the Bhamashah samman samaroh here, he said that greatness of Maharana Pratap has no match in history.

"Akbar has done no service to the nation. The suffix great should be dropped from his name," said governor.

He said that Akbar came from outside to rule this country, while adding that in real sense the suffix 'great' should be added only before Maharana Pratap, who was son of the soil and died fighting for the nation. Earlier, on May 18, home minister Rajnath Singh, during the unveiling of Maharana Pratap's statute in Pratapnagar district in Rajasthan had stated that 'If Akbar is great, so is Maharana.'

The governor termed the Mughal emperor as an 'outsider' and considered him not great by any standard. "He was just a Mughal ruler, who came from outside and ruled this country," said Singh, while speaking on the life of Bhamashah, a close aide of the Maharana, who donated his wealth in rebuilding Maharana's army against the Mughals.

Taking a dig at school textbooks, which he claims has no mention of Maharana's greatness, Singh said, "Our textbooks are flooded with chapters claiming 'Akbar the great' but the greatness of the Maharana is nowhere stated in the textbooks. It is very unfortunate."

The governor asked state education ministers Vasudev Devnani, who has been repeatedly demanding to strike out chapters on Akbar from Rajasthan board textbooks and instead include Maharana's valour, courage and honesty in school textbooks.

"Maharana Pratap instances of valour and his supreme sacrifice while living on grass chapattis in jungles for defending the motherland, should be taught to the students," said Singh. He suggested to the historians and writers that those who were born in this country and who fought for it must be featured in our textbooks and considered great. The governor expressed his desire for statutes of Maharana Pratap and Bhamashah to come up so that the new generations can take inspiration from them.

UDAIPUR PLUS
- Make the most of where you live - wednesday July 1, 2015 • vol.8

2 wednesday, july 1, 2015
udaipur plus
citybuzz

21st Bhamashah award for MMCF

The Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF), Udaipur was awarded the prestigious 21st Bhamashah state level award 2015 by the Department of Education, for the development of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur. This award is given out to individuals, corporate and organisations who have spent more than 10 lakhs in a financial year for the betterment and development of government schools in Rajasthan. MMCF's contribution in terms of restoration and renovation of school building has been counted to the amount of Rs. 33 lakhs. Formerly known as HH The Maharana Girls High School, Jagdish Chowk, Udaipur was constructed during the reign of Maharana Shambhu Singh, the 71st custodian of The House of Mewar. The school started functioning in 1864 AD. It is administered by the District Education Officer (Secondary), Udaipur under the Directorate of Education, Government of Rajasthan, Bikaner. Presently 500 girls are studying in the school from Class IX to XII. The school celebrated its 150th anniversary in the year 2014. On request from the school authorities, given the historic relationship between the school and the House of Mewar, Arvind Singh Mewar of Udaipur, decided to take on the restoration project of the school. MMCF Projects started the school's restoration project on July 17, 2014. The 21st Bhamasha Samman 2015 was awarded to Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur by the chief guest Governor of Rajasthan, Kalyan Singh in presence of Vasudev Devnani, minister of state for primary and secondary education, government of Rajasthan. Dr. Mayank Gupta, Deputy Secretary MMCF - Development and Col DB Acharya, chief engineer - projects represented the Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur. Damini Dantya, principal, Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur was also awarded a souvenir in the category of 'Motivator' for this project.

Dr. Mayank Gupta receiving the award on behalf of Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur by the chief guest the Governor of Rajasthan Kalyan Singh and Vasudev Devnani, Minister of State for primary and eecondary Education

2nd Phase - Restoration at a glance

Before - Classroom

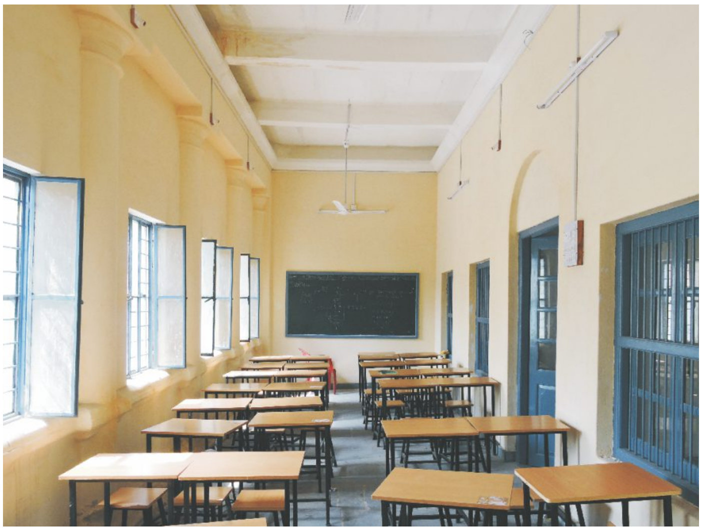

After - Classroom

Before - Central Hall

After - Central Hall

Before - Classroom 2

After - Classroom 2

3rd phase of Restoration of Government Girls' Senior Secondary School, Udaipur by Maharana of Mewar Charitable Foundation, The City Palace, Udaipur

In the 3rd phase during this year the ground floor consisting of 6 classrooms, toilets of the school building and entrance ramps was commenced in May 2016 and completed in July 2016.

The restoration carried out by experienced conservation professionals, well qualified and experienced site supervisors, traditional master craftsmen, skilled workers with proper plans.

Working

UDAIPUR PLUS
Make the most of where you live · wednesday · July 13, 2016 · vol. 9 · issue 33

Restoration works

THE GOVERNMENT GIRL'S SENIOR SECONDARY SCHOOL IS BEING REVAMPED EXTENSIVELY BY THE MAHARANA OF MEWAR CHARITABLE FOUNDATION

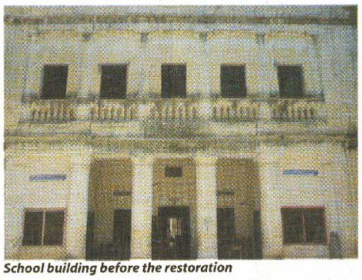

School building before the restoration

Maharana of Mewar Charitable Foundation, is a public charitable trust registered under the Rajasthan Public Trust Act 1959. An initiative of the custodian of the House of Mewar for perpetuation of its core values which are service to society and mankind. The foundation's current outreach is in the field of academics, eco-management, philanthropic works and heritage conservation and promotion, in partnership with several institutions at state, national and international levels.

Government Girls' senior secondary school

Formerly known as HH The Maharana Girls High School, it was constructed during the reign of Maharana Shambhu Singh, the 71st custodian of The House of Mewar (r. 1861 - 1874 AD). The school was established by him in 1864 AD at Jagdish Chowk, Udaipur.

It is administered by the district education officer (secondary), Udaipur under the directorate of education, Government of Rajasthan, Bikaner. 500 girls from classes IX to XII are studying in this school. The school has celebrated its 150th anniversary in the year 2014.

Envisioned restoration

The restoration and renovation of the school building is being undertaken under the project titled 'Education in Udaipur' initiated by Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur. Upon request from the school authorities, Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur, decided to take on the restoration and renovation project of the school which is to be done in three phases.

In the I phase MMCF completed restoration and renovation of the outer façade and two classrooms of the school in January 2015. MMCF received the Bhamashah award from the Government of Rajasthan.

The II phase of restoration and renovation which included the first floor hall, four classrooms and two laboratories of the school building which was completed in October 2015.

In the III phase during this year, work on the ground floor of six classrooms, toilets of the school building and entrance ramps was commenced in May 2016 and completed in July 2016.

The restoration carried out by experienced conservation professionals, well qualified and experienced site supervisors, traditional master craftsmen, skilled workers with proper plans.

School building after the restoration

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, मंगलवार 12 जुलाई, 2016

जगदीश चौक बालिका विद्यालय का तृतीय चरण में जीर्णोद्धार संपन्न

बालिकाओं को मिले व्यवस्थित कक्षा-कक्ष और शौचालय

जीर्णोद्धार के पश्चात विद्यालय के निखरे कक्षा-कक्ष

उदयपुर। यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय के पुराने भवन का जीर्णोद्धार कर रहे महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर ने विद्यालय के तृतीय चरण का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया है। इसके तहत विद्यालय के 6 कक्षा कक्ष तथा शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया गया है।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया था। वर्तमान में स्कूल के 6 कक्षा कक्ष एवं शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर इसमें करीब 35 लाख रूपए व्यय किए गए। आउवा ने बताया कि इससे पूर्व विद्यालय के प्रथम चरण में हुए जीर्णोद्धार में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए।

फाउण्डेशन के इस कार्य हेतु शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2015 में राज्य के राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री द्वारा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया था। कुछ समय पूर्व ही फाउण्डेशन ने विद्यालय के द्वितीय चरण का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया। इसके तहत हॉल, कक्षा-कक्ष, एवं प्रयोगशाला पर करीबन 29 लाख रूपए व्यय किए गए। आउवा ने बताया कि फाउण्डेशन द्वारा यह कार्य उनकी महत्ती कार्ययोजना 'उदयपुर में शिक्षा' के तहत किया गया है। स्कूल प्रशासन ने समस्त बालिकाओं की ओर से फाउण्डेशन के इस पुनीत कार्य पर आभार व्यक्त किया है।

जय राजस्थान दिनांक : 12 जुलाई, 2016 पेज : 2

जगदीश चौक बालिका विद्यालय का तृतीय चरण में जीर्णोद्धार संपन्न

बालिकाओं को मिले व्यवस्थित, कक्षा-कक्ष और शौचालय

जीर्णोद्धार के पश्चात विद्यालय के निखरे कक्षा-कक्ष।

उदयपुर, 11 जुलाई। यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय के पुराने भवन का जीर्णोद्धार कर रहे महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर ने विद्यालय के तृतीय चरण का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया है। इसके तहत विद्यालय के 6 कक्षा कक्ष तथा शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया गया है।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उगा माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया था। वर्तमान में स्कूल के 6 कक्षा कक्ष एवं शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर इसमें करीब 35 लाख रूपए व्यय किए गए। आउवा ने बताया कि इससे पूर्व विद्यालय के प्रथम चरण में हुए जीर्णोद्धार में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए।

फाउण्डेशन के इस कार्य हेतु शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2015 में राज्य के राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री द्वारा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया था।

राजस्थान पत्रिका
उदयपुर . मंगलवार . 12.07.2016 04

स्कूल में बनवाए कक्षा-कक्ष

उदयपुर. जगदीश चौक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार के तृतीय चरण में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से 6 कक्षा कक्ष तथा शौचालयों का निर्माण पूर्ण किया गया है। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि स्कूल के भवन का जीर्णोद्धार पूर्ण कर इसमें करीब 35 लाख रुपए व्यय किए गए हैं। इससे पूर्व विद्यालय के प्रथम चरण में हुए जीर्णोद्धार में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव का कार्य कराया था।

दैनिक भास्कर उदयपुर, मंगलवार 12 जुलाई, 2016 | 6

जगदीश चौक स्कूल का पुराना भवन अब नए रंगरूप में

तृतीय चरण के जीर्णोद्धार का काम हुआ पूरा

एजुकेशन रिपोर्टर | उदयपुर

महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन ने जगदीश चौक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय के पुराने भवन के तृतीय चरण के जीर्णोद्धार का काम पूरा कर लिया गया है। विद्यालय में 6 क्लासरूम तथा शौचालय का जीर्णोद्धार हो चुका है। फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों के स्थापित इस विद्यालय के भवन की विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया था। इसमें करीब 35 लाख रुपए खर्च किए गए। आउवा ने बताया कि इससे पूर्व विद्यालय के प्रथम चरण में हुए जीर्णोद्धार में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीब 33 लाख रुपए खर्च किए गए थे। फाउंडेशन के इस कार्य के लिए शिक्षा विभाग के राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2015 में राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया था। कुछ समय पहले ही फाउण्डेशन ने विद्यालय के द्वितीय चरण का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया। इसके तहत हॉल, क्लासरूम, एवं प्रयोगशाला पर करीब 29 लाख रुपए खर्च किए।

दैनिक नवज्योति 4 | उदयपुर ■ मंगलवार, 12 जुलाई, 2016

जगदीश चौक बालिका विद्यालय के तृतीय चरण का जीर्णोद्धार संपन्न

बालिकाओं को मिले व्यवस्थित कक्षा-कक्ष और शौचालय

ब्यूरो, नवज्योति/ उदयपुर

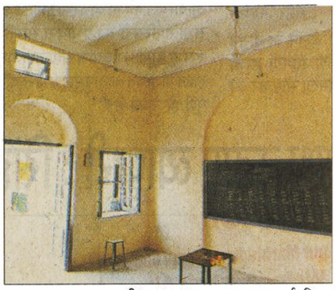

जगदीश चौक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय के पुराने भवन का जीर्णोद्धार कर रहे महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन ने विद्यालय के तृतीय चरण का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया है। इसके तहत विद्यालय के 6 कक्षा कक्ष तथा शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया गया है।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन के विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया था। वर्तमान में स्कूल के 6 कक्षा कक्ष एवं शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर इसमें करीब 35 लाख रुपए व्यय किए गए। आउवा ने बताया कि इससे पूर्व विद्यालय के प्रथम चरण में हुए जीर्णोद्धार में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रुपए खर्च किए। फाउंडेशन के इस कार्य के लिए शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2015 में राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री द्वारा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया था। कुछ समय पूर्व ही फाउण्डेशन ने विद्यालय के द्वितीय चरण का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया। इसके तहत हॉल, कक्षा-कक्ष, एवं प्रयोगशाला पर करीबन 29 लाख रुपए व्यय किए गए।

4 उदयपुर मंगलवार 12 जुलाई, 2016 अपरान्ह टाइम्स

जगदीश चौक बालिका विद्यालय का तृतीय चरण का जीर्णोद्धार संपन्न

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन ने खर्च किये लगभग एक करोड़ रूपये

उदयपुर, 12 जुलाई। यहां जगदीश चौक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय के पुराने भवन कीं जीर्णोद्धार कर रहे महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन ने विद्यालय के तृतीय चरण का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया है। इसके तहत विद्यालय के 6 कक्षा कक्ष तथा शौचालयों का जीर्णोद्धार किया गया है।

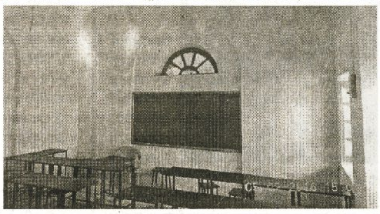

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया था। वर्तमान में स्कूल के 6 कक्षा कक्ष एवं शौचालयों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर इसमें करीब 35 लाख रूपए व्यय किए गए। इससे पूर्व विद्यालय के प्रथम चरण में हुए जीर्णोद्धार में विद्यालय के बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए।

फाउण्डेशन के इस कार्य हेतु शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2015 में राज्य के राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री द्वारा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया था। कुछ समय पूर्व ही फाउण्डेशन ने विद्यालय के द्वितीय चरण का जीर्णोद्धार प्रारंभ किया। इसके तहत हॉल, कक्षा-कक्ष, एवं प्रयोगशाला पर करीबन 29 लाख रूपए व्यय किए गए। आउवा ने बताया कि फाउण्डेशन द्वारा यह कार्य उनकी महत्ती कार्ययोजना 'उदयपुर में शिक्षा' के तहत किया गया है। स्कूल प्रशासन ने समस्त बालिकाओं की ओर से फाउण्डेशन के इस पुनीत कार्य पर आभार व्यक्त किया है।

3rd Phase - Restoration at a glance

Before

After

Before

After

Before

After

Development of Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

Before

After

Before

After

Before

After

Bhamashah State Level Award 2017

Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF), Udaipur has been selected for the prestigious 23rd Bhamashah State Level Award 2017 by the Department of Education, Government of Rajasthan, Bikaner, Rajasthan for the development of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur. MMCF's contribution in terms of restoration and renovation of school building has been counted to the amount of Rs. 30 lacs.

The 23rd Bhamasha Samman 2017 was awarded to Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur by the Chief Guest Ms. Vasundhara Raje, Hon'ble Chief Minister of Rajasthan and other dignitaries were Ms. Kiran Maheshwari, Cabinet Minister for Technical Education, Higher Education, Sanskrit Education, Science & Technology, Government of Rajasthan and Prof. Vasudev Devnani, Minister of State (Independent Charge) for Education (Primary & Secondary), Language, Government of Rajasthan on 28th June 2017 at Birla Auditorium, Jaipur.

Mr. Bhupendra Singh Auwa, Administrator-in-Chief, MMCF represented Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur.

This award was instituted by Government of Rajasthan in 1995. There were total of 109 awardees for 23rd Bhamashah Samman 2017 and 31 Motivators.

Ms. Damini Dantya, Ex-Principal, Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur who was also awarded souvenir in the category of 'Motivator' for this project.

Newspaper Clippings

दैनिक नवज्योति उदयपुर, शुक्रवार, 23 जून 2017 | 9

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को जयपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभू रत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया था।

जय राजस्थान दिनांक : 23 जून, 2017 पेज : 4

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर, 22 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा आगामी बुधवार को आयोजित रा%य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को रा%य स्तरीय भामाशाह स्रम्मान प्रदान किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेश.न के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उगा माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उगेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया।

इस वर्ष 28 जून को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित होने वाले रा%य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह में फांउण्डेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत किए जाएंगे। समारोह के लिए प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान के निदेशक पूर्ण चन्द्र किशन ने फाउण्डेशन को सम्मान के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है।.

7 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, शुक्रवार 23 जून, 2017

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा आगामी बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया।

इस वर्ष 28 जून को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत किए जाएंगे। समारोह के लिए प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान के निदेशक पूर्ण चन्द्र किशन ने फाउण्डेशन को सम्मान के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है।

अपरान्ह टाइम्स उदयपुर, शुक्रवार 23 जून, 2017 **3**

संक्षिप्त समाचार

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा आगामी बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया। इस वर्ष 28 जून को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत किए जाएंगे। समारोह के लिए प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान के निदेशक पूर्ण चन्द्र किशन ने फाउण्डेशन को सम्मान के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है।

दिनांक : 27 जून, 2017 **जय राजस्थान** पेज : 4

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर, 26 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा आगामी बुधवार, 28 जून को आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया।

इस वर्ष 28 जून को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत किए जाएंगे। समारोह के लिए प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान के निदेशक पूर्ण चन्द्र किशन ने फाउण्डेशन को सम्मान के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है।

4 अपरान्ह टाइम्स उदयपुर, मंगलवार 27 जून, 2017

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार, 28 जून को आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया।

rajasthanpatrika.com
राजस्थान पत्रिका . उदयपुर . मंगलवार . 27.06.2017

महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन को राज्यस्तरीय सम्मान

उदयपुर. शिक्षा विभाग की ओर से जयपुर में 28 जून को होने वाले राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। फाउंडेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्रसिंह आउवा ने बताया कि बालिका उमावि जगदीश चौक का जीर्णोद्धार करवाया गया। प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर 33 लाख रूपए खर्च हुए। द्वितीय चरण में दो कक्षा कक्ष, एक हॉल और दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया। ऐसे में राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में फाउंडेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत होंगे।

7 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, मंगलवार 27 जून, 2017

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा आगामी बुधवार, 28 जून को आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया। इस वर्ष 28 जून को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह में फाउण्डेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत किए जाएंगे।

दैनिक भास्कर उदयपुर, बुधवार 28 जून, 2017 | 4

फाउंडेशन को मिलेगा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को जयपुर में शिक्षा विभाग के बुधवार को होने वाले राज्य स्तरीय 23वें भामाशाह सम्मान समारोह में राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान दिया जाएगा। समारोह में फाउंडेशन के प्रतिनिधि पुरस्कृत होंगे।

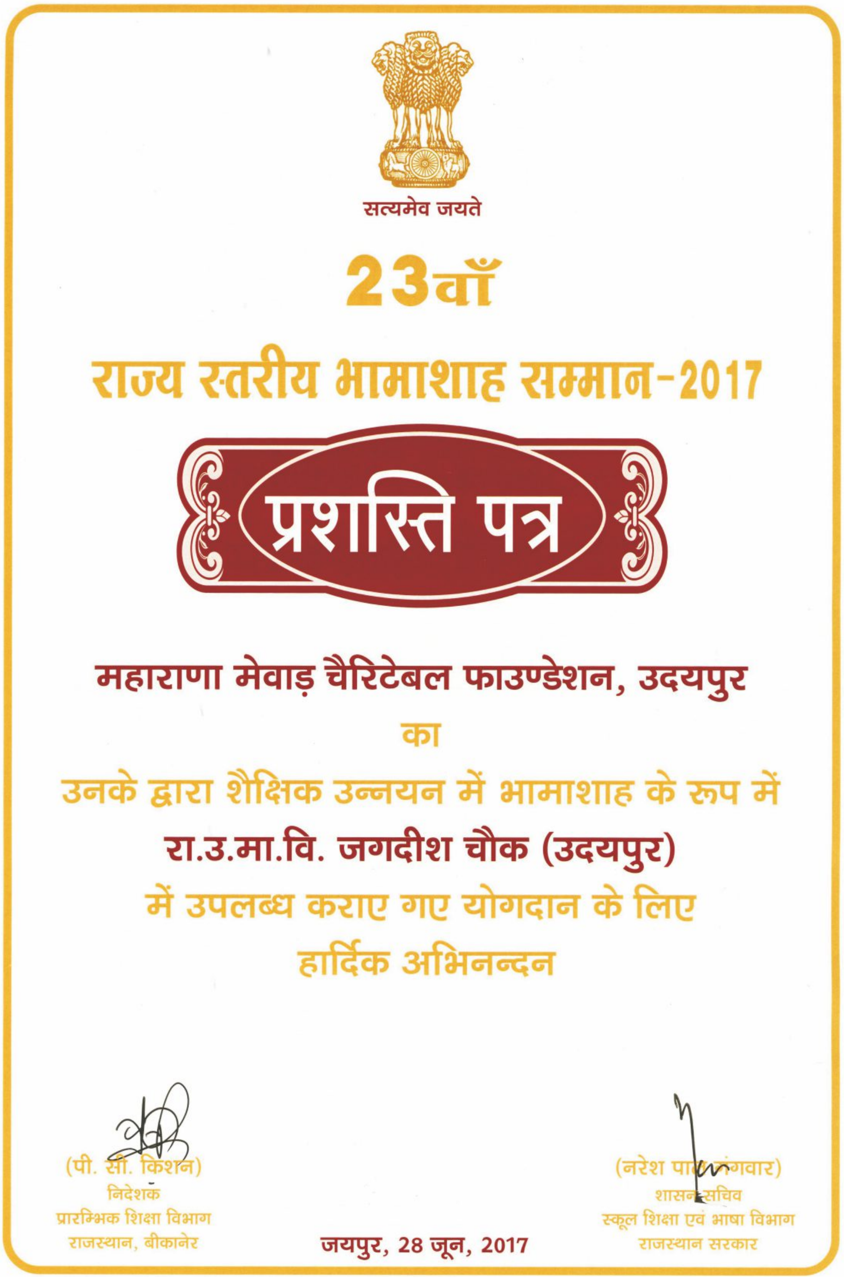

सत्यमेव जयते

23वाँ

राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान-2017

प्रशस्ति पत्र

महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर

का

उनके द्वारा शैक्षिक उन्नयन में भामाशाह के रूप में

रा.उ.मा.वि. जगदीश चौक (उदयपुर)

में उपलब्ध कराए गए योगदान के लिए

हार्दिक अभिनन्दन

(पी. सी. किशन)
निदेशक
प्रारम्भिक शिक्षा विभाग
राजस्थान, बीकानेर

जयपुर, 28 जून, 2017

(नरेश पाल गंगवार)
शासन सचिव
स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग
राजस्थान सरकार

Newspaper Clippings

rajasthanpatrika.com
राजस्थान पत्रिका . उदयपुर . गुरुवार . 29.06.2017

जयपुर में सम्मानित हुए भामाशाह

गर्ल्स स्कूल का कराया था जीर्णोद्धार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

उदयपुर ● शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन और हिंदुस्तान जिंक देबारी इकाई को सम्मानित किया गया। फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्रसिंह आउवा ने मुख्यमंत्री, मंत्री किरण माहेश्वरी, राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी के हाथों सम्मान लिया। आउवा ने बताया कि जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन का जीर्णोद्धार करवाया गया था। समारोह में विद्यालय की तत्कालीन प्राचार्य दामिनी दांत्या को भी सम्मानित किया। वीरपुरा मूल के मुंबई निवासी व्यापारी दिनेश लोहार भी जयपुर में सम्मानित हुए।

दैनिक भास्कर | उदयपुर, गुरुवार 29 जून, 2017 | 2

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन को बालिका शिक्षा में योगदान के लिए राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान शिक्षा विभाग ने बुधवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में राज्य स्तरीय 23वें भामाशाह सम्मान समारोह में दिया। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी और शिक्षामंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने फाउंडेशन के भूपेंद्र सिंह आउवा को सम्मानित किया।

राष्ट्रदूत उदयपुर, 29 जून, 2017 | राजधानी | 2

राजे ने 109 भामाशाह और 31 प्रेरकों को किया सम्मानित

- शिक्षा सुधार के क्षेत्र में राजस्थान बना आदर्श राज्य : राजे
- मुख्यमंत्री ने किया पुस्तिका 'प्रशस्तियां' का विमोचन

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों के विकास में भामाशाहों द्वारा दिए जा रहे अमूल्य सहयोग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में कल्पनातीत बदलाव आया है। शिक्षा विभाग, शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों, भामाशाहों सहित सभी को इस ऐतिहासिक कायाकल्प का श्रेय देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राजस्थान शिक्षा सुधार एवं नवाचारों के क्षेत्र में आदर्श राज्य बन गया है।

राजे बुधवार को बिडला सभागार में 23वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने शिक्षा की अलख जगाने में निस्वार्थ भाव से 62 करोड़ 32 लाख रूपए का अभूतपूर्व आर्थिक सहयोग करने वाले 109 भामाशाहों तथा 31 प्रेरकों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री राजे ने समारोह में उपस्थित लोगों को कहा कि राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य होने जा रहा है जहां एजुकेशन फेस्टिवल जैसा महत्वपूर्ण आयोजन होगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पुस्तिका 'प्रशस्तियां' का विमोचन भी किया। इससे पहले शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आए गुणात्मक सुधारों के कारण सरकारी स्कूलों में अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का विश्वास पुनः कायम हुआ है। तीन सालों में इन विद्यालयों में नामांकन 12 लाख बढ़ा है।

इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. बीएल चौधरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा राजहंस उपाध्याय, शासन सचिव शिक्षा नरेशपाल गंगवार, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक श्री पीसी किशन सहित कई लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने बिडला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में भारतीय स्टेट बैंक के सीजीएम विजय रंजन को शॉल ओढ़ाकर और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि बैंक ने अजमेर के 30 सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लॉसरूम बनाने के लिए सहायता की है। फोटो-राष्ट्रदूत

जय राजस्थान | दिनांक : 29 जून, 2017 | पेज : 4

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर, 28 जून। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केबिनेट मंत्री, तकनीकी शिक्षा, उगा शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, किरण माहेश्वरी एवं रा%य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), शिक्षा (प्राथमिक एवं माध्यमिक), भाषा प्रो. वासुदेव देवनानी से यह सम्मान प्राप्त किया।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उगेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सगान सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया। समारोह में विद्यालय की तत्कालीन प्राचार्या दामिनी दांत्या को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में रा%य भर के विभिन्न संस्थाओं के 109 प्रतिनिधियों को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया।

राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 23वां भामाशाह सम्मान प्राप्त करते एमएमसीएफ के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा।

7 | उदयपुर एक्सप्रेस | उदयपुर, गुरूवार 29 जून, 2017

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर द्वारा बालिका शिक्षा में योगदान

फाउण्डेशन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केबिनेट मंत्री, तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, किरण माहेश्वरी एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), शिक्षा (प्राथमिक एवं माध्यमिक), भाषा प्रो. वासुदेव देवनानी से यह सम्मान प्राप्त किया।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ शासकों द्वारा स्थापित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर (शंभूरत्न पाठशाला) के भवन का विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन ने इसका जीर्णोद्धार शुरू किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व महाराणा शंभू सिंह ने उदयपुर में इस पहले बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया। तत्पश्चात महाराणा सज्जन सिंह ने इसे अपने पिता शंभू सिंह के नाम से विद्यालय का नाम शंभूरत्न पाठशाला रखवाया। विद्यालय के प्रथम चरण में बाहरी भाग के रखरखाव पर करीबन 33 लाख रूपए खर्च किए। द्वितीय चरण में स्कूल के दो कक्षा कक्ष, एक हॉल तथा दो प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार करवाया गया। समारोह में विद्यालय की तत्कालीन प्राचार्या दामिनी दांत्या को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में राज्य भर के विभिन्न संस्थाओं के 109 प्रतिनिधियों को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 23वां भामाशाह सम्मान प्राप्त करते एमएमसीएफ के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा

दैनिक नवज्योति | उदयपुर, गुरुवार, 29 जून 2017 | 9

फाउण्डेशन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उदयपुर। जयपुर में शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय 23वां भामाशाह सम्मान समारोह-2017 में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केबिनेट मंत्री, तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, किरण माहेश्वरी एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), शिक्षा (प्राथमिक एवं माध्यमिक), भाषा प्रो. वासुदेव देवनानी से यह सम्मान प्राप्त किया। समारोह में विद्यालय की तत्कालीन प्राचार्या दामिनी दांत्या को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

hindustantimes | rajasthan | 03

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
THURSDAY, JUNE 29, 2017

Difficulties in school days spurred me to build girls' school: Philanthropist

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

JAIPUR: Hari Prasad Budhia (78), a leading manufacturer and exporter based in Kolkata, was one of the 109 philanthropists felicitated at the 23rd state-level Bhamashah Samman Samaroh on Wednesday.

A native of Ratannagar in Churu, Budhia had visited his village after decades in 2002. "I saw that the girls were facing difficulty in going to school. I was reminded of my own school days in 1950s when I used to travel some 50 kms from my village to Fatehpur for writing the exams," said Budhia.

Spurred by memories of the difficulties he had faced, Budhia built a girls' school in Ratannagar. Recently he developed a school at Hirapura in Jaipur at a cost of ₹5.29 crore. Budhia, along with the CSR wings of the Nuclear Power Corporation of India and Havells India Limited, were among the prominent contributors to the education sector in the state.

Philanthropists who had donated above ₹10 lakh were felicitated at the programme organised at Birla Auditorium by the state's education department.

The 109 top philanthropists had contributed over ₹62 crore in the past one year. Last year, 62 philanthropists who had donated over ₹27 crore were felicitated.

The Bhamashah Samman Samaroh is being celebrated in the state since 1995 to commemorate the birthday of Bhamashah, who had given his wealth to Maharana Pratap when he was short of funds during a war for Mewar's independence.

Another philanthropist felicitated on the occasion was Bhavna Kumari, who along with her husband runs the Shri Jashwant Charitable Trust that has developed a girls' school at Devgarh in Rajsamand at a cost of ₹1.27 crore. The couple, who own a hotel at Devgarh, motivate foreign tourists to donate money and teach them how to cook Indian dishes at a cost, the proceeds of which goes to the trust.

From Jaipur, Kailash Chand and his family donated land worth ₹1 crore to a government school for girls in Nangal Purohitan, Amer. The businessman, who deals in finance and property, said the problems of school children and the request by the school headmistress prompted his brothers and uncles to donate the land to the school.

Chief minister Vasundhara Raje, the chief guest on the occasion, said the government is indebted to the philanthropists as their efforts have benefitted and motivated thousands of students. Raje said the education department's initiatives -- merging of schools, introducing staffing pattern, parent-teacher meetings, among others -- have led to Rajasthan becoming a leading state in education.

School education minister Vasudev Devnani, higher education minister Kiran Maheshwari, and school education secretary Naresh Pal Gangwar were present on the occasion.

CM Vasundhara Raje felicitates a winner during the Bhamashah Samman Samaroh at Birla Auditorium on Wednesday. HT PHOTO

Hari Prasad Budhia, who donated ₹5.29 crores for building a school in Hirapura, was felicitated on Wednesday. HT PHOTO

Times Of India

4 wednesday, july 5, 2017
udaipur plus
backbeat

Felicitation for MMCF

THE 23RD *BHAMASHAH* AWARD WAS GIVEN TO MMCF FOR EXPENDITURES ON THE GOVERNMENT GIRLS SENIOR SECONDARY, SCHOOL IN UDAIPUR

Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF), Udaipur was selected for the prestigious 23rd Bhamashah State Level Award 2017 by the Department of Education, Government of Rajasthan, Bikaner, Rajasthan for the development of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur. This award is given out to individuals, corporate and organisations who have spent equal to or more than 30 lakhs in a financial year for the betterment and development of Government Schools in Rajasthan. MMCF's contribution in terms of restoration and renovation of school building has been to the grand amount of Rs. 30 lakhs.

Formerly known as HH The Maharana Girls High School, Jagdish Chowk, Udaipur was constructed during the reign of Maharana Shambhu Singh. The school started functioning in 1864 AD. It is administered by the District Education Officer (Secondary), Udaipur under the Directorate of Education, Government of Rajasthan, Bikaner. Presently 500 girls are studying in the school from Class IX to XII.

The school celebrated its 150th anniversary in the year 2014. The award was given chief minister, Vasundhara Raje, in presence of minister Kiran Maheshwari and minister, Prof. Vasudev Devnani. This award was instituted by the Government of Rajasthan in 1995. There were a total of 109 awardees for the 23rd Bhamashah Samman 2017 and 31 motivators.

Paint at Government Girl's Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

In June 2023 further demonstrating its commitment to the school's betterment, MMCF undertook a painting project infusing the school premises with a vibrant new look. This comprehensive renovation has transformed the school into a modern and inspiring learning environment for its students. The renovation work at Government Girls' Senior Secondary School stands as a beacon of MMCF's dedication to preserving the school's heritage while ensuring its continued success in nurturing future generations of empowered women.

Before

After

Before

After

Before

After

2 RAJASTHAN
SUNDAY TIMES OF INDIA, JAIPUR | KOTA | UDAIPUR | JODHPUR
SEPTEMBER 26, 2021

Legacy of Rajputana's first school for girls

Began with 51 Students, 3 Teachers

shoebkhan@timesgroup.com

Jaipur: At a time when even the idea of girls going to school was a taboo, Maharana Shambhu Singh (1847-1874), the erstwhile king of Mewar, established north India's first formal school for girls, Shambhu Ratna Pathshala, in 1866.

The syllabi were made based on elementary education in London. The school was handed over to the state gov-

LIMPING LITERACY

ernment in 1950 to give it a common curriculum.

Records suggest that it was started with 51 girls and three teachers, including two British nationals. The school went on to become a model for laying the foundation for formal education of girls for several princely states and united India. The Maharana Mewar Research Institute, Udaipur, says that Major Eden, a political agent in Mewar, had proposed to Maharana Shambhu Singh to establish a vernacular school at Udaipur in May 1862.

"Until then, education was carried out by maulavis and

TOI

The erstwhile royals of Mewar funded school's restoration work

pandits, who ran irregular maktabs and Pathshalas, especially for boys. Realising the importance of an English-medium school, then governor-general, The Earl of Elgin, allocated Rs 12,000 for the construction of a school building and Rs 300 monthly for salaries," say

PART-IV

experts in the research institute. The real change came with the establishment of the all-girl school in 1866 with 51 girls. In 1869 Ingels, the deputy opium agent, was appointed as the superintendent to supervise the school in addition to his duties which changed the fate of girls in the region forever. "The school created a trend among the families to send their daughters for formal education. Until then, they were getting educated at home, mostly equivalent to elementary education," says Mayank Gupta, in-charge of Mewar Museum.

Soon, girls began excelling. The school came at a time when women in the country were battling social issues Widow-remarriage was considered a sin, but polygamy, dowry system and female infanticide were rampant in the region.

"The school has challenged such practices by changing the mindset of people. The educated women soon entered the colonial and princely state administrative set-ups creating a wave of women's empowerment in the region," says associate professor of sociology at RU, Rashmi Jain.

By 1950, the school became the first choice for families of nobles as far as erstwhile princely states of Gujarat, Madhya Pradesh and Bihar Similar schools were opened in Chittor and Bhilwara by the Mewar administration.

With the formation of Rajasthan in 1950, the school was handed over to the state. Like other schools, the glorious history of the school started fading and the British era building almost became dilapidated. The erstwhile royals of Mewar funded the restoration work of the school to continue its legacy in 2008.

2nd November 2023
Building on a foundation of knowledge and the future of Girls' education in Mewar

The historical commitment of the Mewar Family to girls' education continues to shape the present. Dr. Lakshyaraj Singh Mewar, exemplifies this legacy by sponsoring the complete tuition fees for all the girls studying in the Government Girls' Higher Secondary School at Jagdish Chowk, Udaipur for the current academic year 2023-2024.

'Carrying forward the traditions of our ancestors', Dr. Mewar said, 'we must make concerted efforts to strengthen girls' education and ensure universal access. Many girls' yearn to learn, yet domestic or financial constraints force them to abandon their studies. I see my contribution as simply upholding the time-honored Mewar tradition of promoting knowledge'.

Further strengthening this historical bond, the Mewar Family undertook the school's renovation and restoration under the aptly named 'Shiksha' project in Udaipur.

आत्मा की ज्वाला | संभाग | डूंगरपुर। शुक्रवार, 03 नवम्बर 2023 | 2

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बालिकाओं की वार्षिक फीस जमाकर निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

आत्मा की ज्वाला
www.aatmakijwala.com

उदयपुर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की फीस वर्ष 2023 - 2024 का वहन लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उठाया । मेवाड़ के पुरखों की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलु समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण-प्रण से निभाया है, उसी परम्परा को आगे बढ़ाने का मैंने भी प्रयास मात्र किया है। *शंभुरत्न पाठशाला का ऐतिहासिक वृतांत मेवाड़ के 71 वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था । जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया, जो भारत भर में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था। वर्तमान में यह शिक्षा निदेशाल, राजस्थान सरकार, बीकानेर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), उदयपुर द्वारा संचालित है। वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9 से 12 वीं तक की लगभग 300 बालिकाएं अध्ययन कर रही है । वर्ष 2014 में इस पाठशाला ने अपनी 150 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई । उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत इस स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया । स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्ष 2015 से स्कूल के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण जैसे पुनीत कार्यों में पूर्ण श्रद्धाभाव से समर्पित रहे हैं ।

दैनिक नवज्योति
उदयपुर, शुक्रवार, 3 नवंबर 2023 | 6

लक्ष्यराज सिंह ने निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

जगदीश चौक स्कूल की 300 बालिकाओं की फीस कराई जमा

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राबाउमावि जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की फीस का वहन उठाया ।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुद्दढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलू समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण-प्रण से निभाया है, उसी परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास मात्र किया है।

1863 ई. में खोला गया स्कूल: मेवाड़ के 71 वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था । जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया, जो भारत भर में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था। वर्तमान में यह शिक्षा निदेशाल, राजस्थान सरकार, बीकानेर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), उदयपुर द्वारा संचालित है। वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9 से 12 वीं तक कक्षाओं में लगभग 300 बालिकाएं अध्ययन कर रही है ।वर्ष 2014 में इस पाठशाला ने अपनी 150 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई ।

विद्यालय का जीर्णोद्धार व विकास

उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत इस स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया । स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोध पर फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने वर्ष 2015 में स्कूल के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण का कार्य कराया गया।

4 जयपुर महानगर टाइम्स
उदयपुर, 3 नवंबर, 2023
उदयपुर-आसपास

लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने बालिकाओं की वार्षिक फीस भरी, निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

महानगर संवाददाता

उदयपुर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की चालू वर्ष की फीस लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने भरकर मेवाड़ के पुरखों की परम्पराओं का निर्वहन किया है।

लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने बताया बालिका शिक्षा प्रणाली सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू की जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती हैं किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलू समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय.समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण.प्रण से निभाया है, उसी को बढ़ाने का मैंने भी प्रयास मात्र किया है। मेवाड़ के 71वें संरक्षक महाराणा शंभूसिंह के शासनकाल वर्ष 1861.1874 में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे शंभूरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया जो भारत में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था। वर्तमान में यह शिक्षा निदेशाल राजस्थान सरकार बीकानेर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक उदयपुर द्वारा संचालित है। वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9 से 12वीं तक की 300 बालिकाएं अध्ययन कर रही हैं। वर्ष 2014 में इस पाठशाला ने अपनी 150वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत इस स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया। स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोध पर फाउण्डेशन ट्रस्टी लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ वर्ष 2015 से स्कूल के जीर्णोद्धार, नवीनीकरण के पुनीत कार्यों में समर्पित हैं।

जय राजस्थान | दिनांक : 3 नवम्बर, 2023 | पेज : 4

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बालिकाओं की वार्षिक फीस जमाकर निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

उदयपुर, 2 नवम्बर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की फीस वर्ष 2023 - 2024 का वहन लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उठाया।

मेवाड़ के पुरखों की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलु समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण-प्रण से निभाया है, उसी परम्परा को आगे बढ़ाने का मैंने भी प्रयास मात्र किया है।

शंभुरत्न पाठशाला का ऐतिहासिक वृतांत : मेवाड़ के 71 वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया, जो भारत भर में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था।

राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय : वर्तमान में यह शिक्षा निदेशाल, राजस्थान सरकार, बीकानेर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), उदयपुर द्वारा संचालित है। वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9 से 12 वीं तक की लगभग 300 बालिकाएं अध्ययन कर रही है। वर्ष 2014 में इस पाठशाला ने अपनी 150 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई।

राजकीय विद्यालय का जीर्णोद्धार एवं विकास : उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत इस स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया । स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्ष 2015 से स्कूल के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण जैसे पुनीत कार्यों में पूर्ण श्रद्धाभाव से समर्पित रहे हैं।

07 राजस्थान पत्रिका

उदयपुर, शुक्रवार, 03 नवम्बर 2023

मेवाड़ ने बालिकाओं की फीस जमा कर निभाई विद्यादान की परम्परा

उदयपुर. राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की 2023-24 की फीस जमा कराकर लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने विद्यादान की परंपरा निभाई। मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे, ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है, किन्तु किन्हीं समस्याओं के कारण पढ़ाई छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को निभाया है।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

बालिकाओं की वार्षिक फीस जमा कराई

समाचार जगत ब्यूरो

उदयपुर. राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की फीस वर्ष 2023 - 2024 का वहन लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उठाया। मेवाड़ के पुरखों की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलू समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण-प्रण से निभाया है।

शंभूर' पाठशाला का ऐतिहासिक वृतांत

मेवाड़ के 71 वें संरक्षक महाराणा शंभू सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे शंभूर' पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया, जो भारत भर में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था।

दैनिक कामयाब कलम
राजस्थान का सबसे तेज बढ़ता अखबार
बीकानेर | शुक्रवार 03 नवम्बर 2023 | 08

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बच्चियों की फीस जमाकर निभाई राजघराने की परम्परा

उदयपुर ।

प्रकाश चंद्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार
कामयाब कलम रिपोर्टर।

मेवाड़ राजघराने के पुरखों की परम्परा को कायम रखते हुए राजघराने के वंशज लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने यहां के जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं की वर्ष 2023- 2024 की फीस का वहन उठाया है।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती हैं किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलु समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। उन्होंने बताया कि उनके पुरखों ने समय.समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण.प्रण से निभाया है और वर्तमान कदम उसी परम्परा को आगे बढ़ाने का एक प्रयास मात्र है। मेवाड़ के 71 वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल ; वर्ष 1861.1874 द्ध में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ईण् में खोला गया था। जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ईण् में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गयाए जो भारत भर में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था। वर्तमान में यह शिक्षा निदेशालयए राजस्थान सरकारए बीकानेर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी ;माध्यमिकद्ध उदयपुर द्वारा संचालित है।

2 उदयपुर एक्सप्रेस
उदयपुर, शुक्रवार 3 नवम्बर, 2023

लक्ष्यराज सिंह ने बालिकाओं की वार्षिक फीस जमाकर निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

उदयपुर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की फीस वर्ष 2023-2024 का वहन लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उठाया। मेवाड़ के पुरखों की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलु समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पातीं। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण-प्रण से निभाया है, उसी परम्परा को आगे बढ़ाने का मैंने भी प्रयास मात्र किया है।

राजकीय विद्यालय का जीर्णोद्धार एवं विकासः उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत इस स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया । स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्ष 2015 से स्कूल के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण जैसे पुनीत कार्यों में पूर्ण श्रद्धाभाव से समर्पित रहे हैं।

दैनिक भास्कर,
उदयपुर, शुक्रवार, 3 नवंबर, 2023 4

कन्या स्कूल की 300 बालिकाओं की फीस लक्ष्यराज वहन करेंगे

उदयपुर| जगदीश चौक स्थित बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल की बालिकाओं की इस सत्र की फीस पूर्व राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वहन करेंगे। मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा प्रणाली की मजबूती के लिए हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे। मेवाड़ के 71 वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया । इसे 1866 में कन्या स्कूल के रूप में स्थापित किया । यह भारत भर में पहला कन्या विद्यालय था। अब यह शिक्षा विभाग के तहत संचालित है। अभी कक्षा 9 से 12वीं तक की 300 बालिकाएं हैं। मेवाड़ ने वर्ष 2015 में जीर्णोद्धार व नवीनीकरण का काम भी कराया था।

दैनिक पुकार

उदयपुर शुक्रवार दिनांक 3 नवम्बर 2023

8

लक्ष्यराज सिंह ने बालिकाओं की वार्षिक फीस जमाकर निभाई विद्यादान की मेवाड़ी परम्परा

उदयपुर (पुकार)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं की फीस वर्ष 2023-2024 का वहन लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उठाया। मेवाड़ के पुरखों की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि बालिका शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में हमें सुदृढ़ प्रयास करने होंगे ताकि बालिका शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा सके। बालिकाएं पढ़ना चाहती है किन्तु कई बालिकाएं किसी न किसी घरेलु समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है तो कुछ आर्थिक कारणों से पढ़ ही नहीं पाती। हमारे पुरखों ने समय-समय पर विद्यादान की परम्पराओं को प्राण-प्रण से निभाया है, उसी परम्परा को आगे

बढ़ाने का मैंने भी प्रयास मात्र किया है।

शंभुरत्न पाठशाला का ऐतिहासिक वृतांत : मेवाड़ के 71वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था । जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया, जो भारत भर में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था।

राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय : वर्तमान में यह शिक्षा निदेशाल, राजस्थान सरकार, बीकानेर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), उदयपुर द्वारा संचालित है। वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9 से 12 वीं तक की लगभग 300 बालिकाएं अध्ययन कर रही है । वर्ष 2014 में इस पाठशाला ने अपनी 150 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई ।

राजकीय विद्यालय का जीर्णोद्धार एवं विकास

उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत इस स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया । स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्ष 2015 से स्कूल के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण जैसे पुनीत कार्यों में पूर्ण श्रद्धाभाव से समर्पित रहे हैं ।

'Ek Ped Maa Ke Naam' Plantation Drive in Udaipur

Dr. Lakshyaraj Singh Mewar, Trustee, Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF), participated in a plantation drive at Manikyalal Verma Park, Doodh Talai on August 07, 2024. The event was jointly organized by students from Udaipur's Jagdish Chowk Girls Higher Secondary School, Government Secondary School Bhattiyani Chowhatta, and the Old City Welfare Committee. During the drive, Dr. Mewar planted a sapling and emphasized the importance of sustainable development that enhances the environment. He encouraged everyone to actively contribute to this cause. Over 300 students and residents of the area enthusiastically participated in the event. This plantation drive is part of the Rajasthan government's 'Amrit Paryavaran Mahotsav' initiative, which aims to plant one thousand saplings by each school under the theme 'Ek Ped Maa Ke Naam'. The occasion was graced by Dharmotsav committee president Mr. Dinesh Makwana, former councilor Mr. Devendra Javalia, BJP OBC Morcha state vice president Mr. Jagdish Suthar, and members of the Old City Welfare Committee, including Mr. Akshay Singh Rao, Mr. Pradeep Sen, Mr. Kailash Soni, Mr. Sandeep Soni, Mr. Rajendra Singh Bhati, and Mr. Jaswant Tak. Dozens of activists and school teachers also participated in the drive, demonstrating a collective commitment to environmental conservation.

Students from Girls Higher Secondary School, Jagdish Chowk with Dr. Lakshyaraj Singh Mewar at the plantation drive

16th October 2024

Empowering Education: Donation of Computers and Renovation at Government Girls Higher Secondary School, Udaipur

On the initiative of Dr. Lakshyaraj Singh Mewar, Trustee of the Maharana Mewar Charitable Foundation, and with support from travel company A. & K. India, ten computer sets have been donated to the Government Girls Higher Secondary School in Jagdish Chowk, Udaipur. Recognizing the importance of digital education for girls in today's world, Dr. Mewar provided these computers along with internet connectivity to empower students and enhance their skills. This initiative is a significant step toward the progressive development of society. To further support this effort, free internet service will be available for one year.

In addition to the computer donation, the foundation has also facilitated repairs and painting of the school in collaboration with A. & K. India. Ms. Ruchi Parik, Principal of the girls' school, expressed gratitude for Dr. Mewar's contributions, noting that he has continued the tradition of educational philanthropy established by the Mewar Maharanas by covering the annual fees for students at the Government Girls Higher Secondary School for 2023. The school, which was opened during the reign of Maharana Shambhu Singh, was originally named Shambhuratna Pathshala and holds the distinction of being the first school in the state. Under the project titled 'Education in Udaipur,' the Maharana Mewar Charitable Foundation has undertaken various renovation and enhancement initiatives for the school building, recognizing its historical ties to the Mewar family. Following requests from school authorities, these projects were completed in three phases during 2015, 2016, and 2017, reflecting a commitment to preserving and improving educational facilities in the region.

Dr. Lakshyaraj Singh Mewar presents computers to the students of Government Girls Higher Secondary School, empowering their educational journey through technology

दैनिक भास्कर

उदयपुर, रविवार 20 अक्टूबर, 2024 06

बालिका स्कूल को 10 कम्प्यूटर दिए

कम्प्यूटर और बालिकाओं के साथ लक्ष्यराज सिंह।

उदयपुर| महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन ने ट्रैवल कंपनी ए एंड के इंडिया के सहयोग से जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय को 10 कम्प्यूटर दिए हैं।

न्यासी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पहल पर बालिका शिक्षा में तकनीकी नवाचार और डिजिटल क्रांति के तहत समय की मांग को देखते हुए यह फैसला लिया गया।स्कूल की मरम्मत और रंग-रोगन भी कराया जाएगा। प्रिंसिपल रुचि पारीक ने बताया कि डॉ. लक्ष्यराज ने 2023 में स्कूल की बालिकाओं की सालभर की फीस भी जमा कराई थी। मेवाड़ के 71वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। इसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था।

दैनिक नवज्योति

6 उदयपुर
रविवार, 20 अक्टूबर 2024

जगदीश चौक स्कूल में दस कंप्यूटर सेट भेंट

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन के न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पहल पर ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक उदयपुर को 10 कम्प्यूटर सेट भेंट किए गए। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बालिकाओं को डिजिटल रुप से सशक्त और कुशल बनाने के उद्देश्य से यह कम्प्यूटर सेट के साथ ही एक वर्ष के लिए फ्री इंटरनेट सेवा भी उपलब्ध करवाई है। फाउण्डेशन द्वारा ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से पाठशाला मरम्मत और रंग-रोगन का कार्य भी करवाया है। बालिका स्कूल की प्रिंसिपल रुचि पारिक ने बताया कि डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने वर्ष 2023 में राबाउमावि जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं का वार्षिक शुक्ल भी जमा करवाया।

DIGITAL प्रवासी संदेश PRAVASI SANDESH

मुंबई, रविवार, 20 अक्टूबर 2024

www.pravasisandesh.news

9004746488 pravasisandesh1@gmail.com www.facebook/ pravasisandesh1/

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की बालिका शिक्षा और डिजिटल क्रांति प्रोत्साहन पहल

जगदीश चौक कन्या विद्यालय को कंप्यूटर सेट भेंट किए, कक्षाओं की मरम्मत करवाई

■ प्रवासी संदेश टीम।

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन के न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पहल पर बालिका शिक्षा में तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक उदयपुर को 10 कम्प्यूटर सेट भेंट किए हैं। वर्तमान में बालिका शिक्षा में डिजिटल क्रांति के तहत समय की मांग को ध्यान में रख डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बालिकाओं को डिजिटल रुप से सशक्त और कुशल बनाने के उद्देश्य से ये कम्प्यूटर, इंटरनेट सुविधा सामग्री के साथ भेंट किये गये। यह कार्य समाज के प्रगतिशील विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इसी कारण कम्प्यूटर सेट के साथ ही एक वर्ष के लिए फ्री इंटरनेट सेवा भी उपलब्ध करवाई है। फाउण्डेशन द्वारा ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से पाठशाला मरम्मत और रंग-रोगन का कार्य भी करवाया है।

बालिका स्कूल की प्रींसिपल रुचि पारिक ने बताया कि मेवाड़ महाराणाओं की विद्यादान की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने वर्ष 2023 में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं का वार्षिक शुक्ल जमा करवाया।

मेवाड़ के 71वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था।

राजकीय विद्यालय का जीर्णोद्धार एवं विकासः

उदयपुर में शिक्षा नामक परियोजना के तहत महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया। स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन ने जीर्णोद्धार और नवीनीकरण की विभिन्न परियोजना का बीड़ा अपने हाथ में ले इसे 3 चरणों में वर्ष 2015, 2016 और 2017 में पूर्ण करवाया था।

राजस्थान पत्रिका

उदयपुर, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 05

गर्ल्स स्कूल में भेंट किए कंप्यूटर, कराई कक्षाओं की मरम्मत

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पहल पर बालिका शिक्षा में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। लक्ष्यराज सिंह ने ट्रैवल कम्पनी ए एंड के इण्डिया के सहयोग से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक को 10 कम्प्यूटर सेट भेंट किए। कम्प्यूटर सेट के साथ ही एक वर्ष के लिए इंटरनेट सुविधा भी उपलब्ध करवाई है। पाठशाला मरम्मत और रंग रोगन का कार्य भी करवाया गया है। प्राचार्य रुचि पारिक ने बताया कि पूर्व में 'उदयपुर में शिक्षा' नामक परियोजना के तहत महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन की ओर से स्कूल भवन संरक्षण एवं संवर्धन शुरू किया गया। इसे 3 चरणों में वर्ष 2015, 2016 और 2017 में पूर्ण करवाया गया था।

राष्ट्रदूत उदयपुर, 20 अक्टूबर, 2024 3

सार-समाचार

विद्यालय में कंप्यूटर सेट भेंट किया

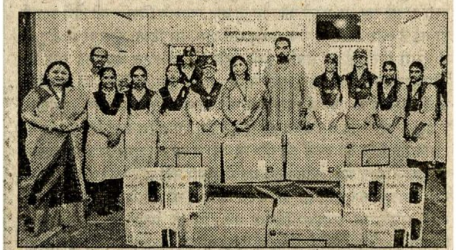

उदयपुर, (कासं)। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन के न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पहल पर बालिका शिक्षा में तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक उदयपुर को 10 कम्प्यूटर सेट भेंट किए हैं। यह कार्य समाज के प्रगतिशील विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। फाउण्डेशन द्वारा ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से पाठशाला मरम्मत और रंग-रोगन का कार्य भी करवाया है। स्कूल की प्रींसिपल रुचि पारिक ने बताया कि मेवाड़ महाराणाओं की विद्यादान की परंपराओं का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने वर्ष 2023 में राजकीय बालिका उमावि, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं का वार्षिक शुल्कजमा करवाया। इधर, 'उदयपुर में शिक्षा' नामक परियोजना के तहत महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया। स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन ने जीर्णोद्धार और नवीनीकरण की विभिन्न परियोजना का बीड़ा अपने हाथ में ले इसे 3 चरणों में वर्ष 2015, 2016 और 2017 में पूर्ण करवाया था।

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने जगदीश चौक कन्या विद्यालय को भेंट किए कंप्यूटर

उदयपुर (कासं)। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन के न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पहल पर बालिका शिक्षा में तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर को 10 कम्प्यूटर सेट भेंट किए हैं। वर्तमान में बालिका शिक्षा में डिजिटल क्रांति के तहत समय की मांग को ध्यान में रख डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बालिकाओं को डिजिटल रुप से सशक्त और कुशल बनाने के उद्देश्य से ये कम्प्यूटर, इंटरनेट सुविधा सामग्री के साथ भेंट किये गये। यह कार्य समाज के प्रगतिशील विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इसी कारण कम्प्यूटर सेट के साथ ही एक वर्ष के लिए फ्री इंटरनेट सेवा भी उपलब्ध करवाई है। फाउण्डेशन द्वारा ट्रैवल कम्पनी ए. एंड के. इण्डिया के सहयोग से पाठशाला मरम्मत और रंग-रोगन का कार्य भी करवाया है।

बालिका स्कूल की प्रींसिपल रुचि पारिक ने बताया कि मेवाड़ महाराणाओं की विद्यादान की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने वर्ष 2023 में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक में अध्ययनरत बालिकाओं का वार्षिक शुक्ल जमा करवाया। मेवाड़ के 71वें संरक्षक महाराणा शंभु सिंह के शासनकाल (वर्ष 1861-1874) में राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे शंभुरत्न पाठशाला का नाम दिया गया था।

राजकीय विद्यालय का जीर्णोद्धार एवं विकासः 'उदयपुर में शिक्षा' नामक परियोजना के तहत महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा स्कूल भवन के संरक्षण एवं संवर्द्धन का शुभारंभ किया गया। स्कूल और मेवाड़ परिवार के मध्य रहे ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए शाला अधिकारियों के अनुरोधानुसार फाउण्डेशन ने जीर्णोद्धार और नवीनीकरण की विभिन्न परियोजना का बीड़ा अपने हाथ में ले इसे 3 चरणों में वर्ष 2015, 2016 और 2017 में पूर्ण करवाया था।

The City Palace Museum, Udaipur Bridges Heritage and Education on Children's Day

On November 14, 2024, the City Palace Museum in Udaipur celebrated Children's Day by hosting two remarkable school visits that exemplified its commitment to inclusive education and cultural engagement.

The second visit featured 160 students from Government Girls Senior Secondary School (formerly Shambhu Ratna Pathshala), who participated in an interactive museum tour that aimed to inspire young minds about Mewar's rich cultural heritage. During the visits, students actively engaged with museum exhibits and staff, deepening their understanding of local history. A highlight of the day was a special interaction with museum Managing Trustee Dr. Lakshyaraj Singh Mewar, which further enriched the students' educational experience. These carefully curated visits demonstrated the City Palace Museum's innovative approach to learning, transforming museum spaces into dynamic, inclusive environments that connect young generations with their cultural roots.

Museum Tour for the Students of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

Students and faculty members of Government Girls Senior Secondary School, Jagdish Chowk with Dr. Lakshyaraj Singh Mewar

आत्मा की ज्वाला | उदयपुर/ भीलवाड़ा/डूंगरपुर | मंगलवार 30 सितंबर 2025 | 2

बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड ने किया मेवाड़ी परम्परा का निर्वहन

आत्मा की ज्वाला

उदयपुर - बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में महाराणाओं के विद्यादान की परम्परा का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर में अध्ययनरत 230 बालिकाओं की सम्पूर्ण वार्षिक फीस जमा करवाई। 161 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह जी ने अपने शासनकाल के दौरान शम्भूरत्न पाठशाला की नींव रख बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन दिया था।

महाराणा शम्भूसिंह जी के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' का नाम दिया गया। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया जो भारत में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था।

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। आज के दौर में भी ऐसी कई बालिकाएँ है, जो घरेलू समस्याओं एवं आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना केवल उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है।

अपने पुरखों की मेवाड़ी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए, डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शिक्षा सुधार, नारी सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की विधवाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु कई सराहनीय कार्यों के साथ अपने पर्यावरणीय दृष्टिकोण के तहत 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' अभियानों के माध्यम से विद्यालयों और नागरिकों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समय-समय पर बोध कराया है।

समाज में निस्वार्थ सेवा कर्म एवं दायित्व निर्वहन को आगे बढ़ाते हुए आप विश्व-कीर्तिमानों की श्रृंखला में अब तक नौ 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' अपने नाम कर चुके हैं। ये उपलब्धियाँ वैश्विक स्तर पर पर्यावरण और परोपकार के प्रति मेवाड़ की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिये विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के पावन कार्य किये, उसी मेवाड़ी परम्परा का डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्तमान में निर्वहन कर रहे हैं।

दैनिक भास्कर, उदयपुर, मंगलवार 30 सितंबर, 2025 06

बेटियों को बढ़ावा : लक्ष्यराज ने 230 छात्राओं की फीस चुकाई

161 साल पहले महाराणा शंभूसिंह ने खोला था कन्या विद्यालय

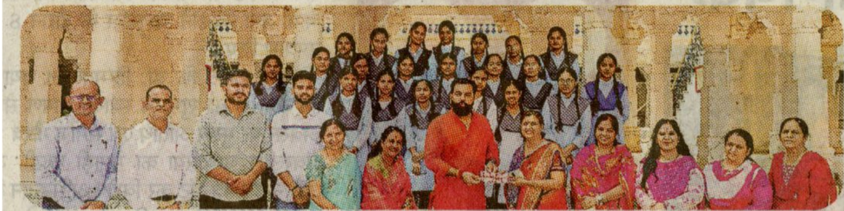

उदयपुर • बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने की परंपरा मेवाड़ महाराणाओं से जुड़ी रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मेवाड़ के पूर्व राज परिवार सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक की 230 छात्राओं की वार्षिक फीस जमा करवाई।

डॉ. सिंह ने बताया कि 161 साल पहले मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शंभूसिंह ने अपने शासनकाल (1861-1874) में बालिका शिक्षा की नींव रखी थी। जनवरी 1863 में उदयपुर राज्य का पहला विद्यालय शम्भूरत्न पाठशाला खोला गया। 1866 में इसे कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया। यह न केवल मेवाड़ रियासत का, बल्कि देश का पहला कन्या विद्यालय बना। डॉ. लक्ष्यराज का कहना है कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की आधारशिला है। आज भी कई बच्चियां घरेलू और आर्थिक परेशानियों के कारण पढ़ाई छोड़ देती हैं। उन्हें शिक्षा से जोड़ना केवल उनके भविष्य को संवारना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित करना भी है।

उन्होंने कहा कि अपने पुरखों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वे शिक्षा सुधार, नारी सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की बिधवाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण में सक्रिय हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिंए 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' जैसे अभियानों से लगातार जागरूकता फैलाई। उनकी निस्वार्थ सेवाओं ने अब तक उन्हें 9 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दिलाए हैं, जो वैश्विक स्तर पर मेवाड़ की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। विद्यालय की प्राचार्या ने कहा कि मेवाड़ महाराणाओं ने हमेशा शिक्षा को समाज उत्थान का आधार माना और विद्यादान को योजनाबद्ध तरीके से जन-जन तक पहुंचाया। उसी परंपरा का निर्वहन आज डॉ. लक्ष्यराज सिंह कर रहे हैं।

4 उदयपुर मंगलवार, 30 सितंबर 2025 दैनिक नवज्योति

बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला: डॉ. मेवाड़

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने जमा कराई जगदीश चौक स्कूल की 230 छात्राओं की वार्षिक फीस

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। विद्यादान की परम्परा का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राबाउमावि जगदीश चौक में अध्ययनरत 230 बालिकाओं की सम्पूर्ण वार्षिक फीस जमा करवाई। इस विद्यालय की नीवं 161 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें एकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह ने अपने शासनकाल के दौरान शम्भूरत्न पाठशाला के रूप में रखी थी।

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। आज के दौर में भी ऐसी कई बालिकाएं है जो घरेलू समस्याओं एवं आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना केवल उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है। डॉ. मेवाड़ ने शिक्षा सुधार, नारी सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की विधवाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए कई सराहनीय कार्यों के साथ अपने पर्यावरणीय दृष्टिकोण के तहत गो ग्रीन और सेव वाटर अभियानों के माध्यम से विद्यालयों और नागरिकों को पर्याव्रणीय जिम्मेदारी का समय-समय पर बोध कराया है। समाज में निस्वार्थ सेवा कर्म एवं दायित्व निर्वहन को आगे बढ़ाते हुए आप विश्व-कीर्तिमानों की श्रृंखला में अब तक नौ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपना नाम कर चुके हैं।

II PUNJAB KESARI पंजाब केसरी धर्म-समाज उदयपुर ● मंगलवार ● 30 सितम्बर, 2025

बालिका शिक्षा को बढ़ावा: डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने निभाई परम्परा

230 छात्राओं की वार्षिक फीस जमा कर दिखाई संवेदनशीलता

उदयपुर, 29 सितम्बर (पंजाब केसरी): उदयपुर के पूर्व महाराणा शम्भूसिंह (1861-1874) ने जनवरी 1863 में उदयपुर का पहला स्कूल 'शम्भूरत्न पाठशाला' शुरू किया था। इसे 1866 में कन्या विद्यालय के रूप में परिवर्तित किया गया, जो भारत में रियासती स्तर पर स्थापित पहला कन्या विद्यालय था। महाराणा शंभूसिंह ने विद्यादान की परम्परा को जारी किया था। उसी परम्परा को अब महाराणा राजवंश के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बरकरार रखा है।

डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने जगदीश चौक स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययरत सभी 230 छात्राओं की संपूर्ण वार्षिक फीस जमा कराते हुए परम्परा को बनाए रखा। इस अवसर डॉ. लक्ष्यराज ने कहा कि विद्यादान की यह परंपरा मेवाड़ में नई नहीं है। बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव है। यदि बालिकाएं शिक्षित होंगी तो आने वाली पीढ़ी भी मजबूत होगी। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि हर सक्षम व्यक्ति शिक्षा प्रोत्साहन के लिए आगे आए। विद्यालय की प्राचार्या ने कहा कि शिक्षा ही मेवाड़ के विकास की सुदृढ़ नींव रही है। आज डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ उसी परम्परा को आधुनिक संदर्भों में जीवंत कर रहे हैं।

2 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, मंगलवार 30 सितम्बर 2025

बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में डॉ. लक्ष्यराज सिंह ने किया मेवाड़ी परम्परा का निर्वहन

उदयपुर (कासं)। बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में महाराणाओं के विद्यादान की परम्परा का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर में अध्ययनरत 230 बालिकाओं की सम्पूर्ण वार्षिक फीस जमा करवाई। 161 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह जी ने अपने शासनकाल के दौरान शम्भूरत्न पाठशाला की नींव रख बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन दिया था। महाराणा शम्भूसिंह जी के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' का नाम दिया गया। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया जो भारत में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। आज के दौर में भी ऐसी कई बालिकाएँ है, जो घरेलू समस्याओं एवं आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना केवल उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है। अपने पुरखों की मेवाड़ी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए, डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शिक्षा सुधार, नारी सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की विधवाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु कई सराहनीय कार्यों के साथ अपने पर्यावरणीय दृष्टिकोण के तहत 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' अभियानों के माध्यम से विद्यालयों और नागरिकों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समय-समय पर बोध कराया है। समाज में निस्वार्थ सेवा कर्म एवं दायित्व निर्वहन को आगे बढ़ाते हुए आप विश्व-कीर्तिमानों की शृंखला में अब तक नौ 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' अपने नाम कर चुके हैं। ये उपलब्धियाँ वैश्विक स्तर पर पर्यावरण और परोपकार के प्रति मेवाड़ की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिये विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के पावन कार्य किये, उसी मेवाड़ी परम्परा का डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्तमान में निर्वहन कर रहे हैं।

दैनिक पुकार
उदयपुर मंगलवार दिनांक 30 सितम्बर 2025
4

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने 230 बालिकाओं की फीस जमा करवाई

उदयपुर (पुकार)। बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में महाराणाओं के विद्यादान की परम्परा का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर में अध्ययनरत 230 बालिकाओं की सम्पूर्ण वार्षिक फीस जमा करवाई। 161 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह जी ने अपने शासनकाल के दौरान शम्भूरत्न पाठशाला की नींव रख बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन दिया था।

महाराणा शम्भूसिंह जी के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' का नाम दिया गया। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया जो भारत में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। आज के दौर में भी ऐसी कई बालिकाएँ है, जो घरेलू समस्याओं एवं आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना केवल उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है।

MMCF

FIRST INDIA 03 Jaipur, Wednesday | October 1, 2025

CONTINUING LEGACY

Dr Lakshyaraj Singh Mewar sponsors education of 230 girl students

First India Bureau
Udaipur

Continuing the Mewari tradition of supporting education, Dr Lakshyaraj Singh Mewar paid the full annual fees of 230 girl students studying at the Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur.

This gesture follows a legacy that began 161 years ago when Maharana Shambhu Singh, the 71st Ekling Diwan of Mewar, laid the foundation of Shambhuratna Pathshala during his reign (1861–1874). Udaipur's first school opened in January 1863 and, in 1866, was converted into a girls' school — the first of its kind in India established by the Mewar princely state.

Dr Lakshyaraj Singh Mewar said that girls' education is the true foundation of an empowered society. Even today, many girls are forced to drop out of school due to domestic or financial problems. Supporting their education secures not only their future but also the progress of society and the nation.

Dr Lakshyaraj Singh Mewar with girl students & staff of Govt Girls' Senior Secondary School in Udaipur.

Dr Lakshyaraj Singh Mewar has continued the 161-year-old Mewari legacy of promoting education by paying the annual fees of 230 girl students at Udaipur's Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk

Carrying forward the Mewari tradition, Dr Lakshyaraj has undertaken many initiatives in education reform, women's empowerment, animal welfare, and the welfare of war widows and ex-servicemen. With his environmental outlook, he has also promoted the Go Green and Save Water campaigns, sensitising schools and citizens about ecological responsibility. In his journey of selfless service, Dr Lakshyaraj has achieved nine Guinness World Records, underscoring Mewar's commitment to global causes of environment and philanthropy.

The school principal remarked that the foundation of Mewar's development has always rested on education of its children. The Maharanas of Mewar regarded the spread of education as essential for public welfare and upliftment, and today Dr Lakshyaraj Singh Mewar is carrying forward that same noble tradition.

FIRST INDIA सच बेधड़क
जयपुर, बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 04

230 स्कूली बालिकाओं की सम्पूर्ण वार्षिक फीस करवाई जमा

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने किया मेवाड़ी परम्परा का निर्वहन

बेधड़क | उदयपुर

बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में महाराणाओं के विद्यादान की परम्परा का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर में अध्ययनरत 230 बालिकाओं की सम्पूर्ण वार्षिक फीस जमा करवाई। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। आज के दौर में भी ऐसी कई बालिकाएं हैं, जो घरेलू समस्याओं एवं आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना केवल उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है। विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिए विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के पावन कार्य किए हैं, उसी मेवाड़ी परम्परा का डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ वर्तमान में निर्वहन कर रहे हैं।

विद्यालय की बालिकाओं की वर्षभर की फीस जमा करवाते डा. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़।

लक्ष्यराज सिंह के नाम नौ 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड'

अपने पुरखों की मेवाड़ी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शिक्षा सुधार, नारी सशक्तीकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की वीरांगनों और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए कई सराहनीय कार्यों के साथ-साथ अपने पर्यावरणीय दृष्टिकोण के तहत 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' अभियानों के माध्यम से विद्यालयों और नागरिकों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समय-समय पर बोध कराया है। समाज में निस्वार्थ सेवा कर्म एवं दायित्व निर्वहन को आगे बढ़ाते हुए लक्ष्यराज सिंह विश्व-कीर्तिमानों की शृंखला में अब तक नौ 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' अपने नाम कर चुके हैं। ये उपलब्धियां वैश्विक स्तर पर पर्यावरण और परोपकार के प्रति मेवाड़ की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

मेवाड़ रियासत ने खोला था पहला कन्या विद्यालय

161 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्रीएकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह ने अपने शासनकाल के दौरान शम्भूरत्न पाठशाला की नींव रख बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन दिया था। महाराणा शम्भूसिंह के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का पहला स्कूल जनवरी 1863 ई. में खोला गया था। जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' का नाम दिया गया। इसे 1866 ई. में कन्या विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया, जो भारत में मेवाड़ रियासत की ओर से पहला कन्या विद्यालय था।

A Legacy of Empowerment: MMCF Supports Girls' Education in Mewar

The Maharanas of Mewar have long championed the cause of girls' education, and this enduring tradition continues under the stewardship of Shriji Dr. Lakshyaraj Singh Mewar, Chairman and Managing Trustee of the Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF). On 23rd September 2025, MMCF proudly supported the full tuition fees for 230 girls attending the Government Girls Senior Higher Secondary School, Jagdish Chowk, for the academic session 2025-26.

Mewar holds the distinguished honor of establishing the region's first girls' school 161 years ago-the Shambhuratna Pathshala.

Shriji Dr. Lakshyaraj Singh Mewar in interaction with the students of Government Girls Senior Higher Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

Founded in January 1863 during the reign of Maharana Shambhu Singh (1861-1874), the 71st Custodian of House of Mewar, it was converted into a dedicated girls' school in 1866. This pioneering institution laid the foundation for female education across Mewar and beyond.

Today, the school, managed by the Rajasthan Education Department, nurtures the aspirations of around 300 girls from grades 9 through 12. In 2014, it celebrated its 150th anniversary, marking a century and a half of empowering young women. In a further commitment to this legacy, the Mewar family spearheaded the school's renovation as part of the 'Shiksha' project in Udaipur. Recognizing the school's historic importance and responding to its authorities' requests, Mr. Lakshyaraj Singh Mewar took personal charge of the refurbishment initiative, which began in 2015.

This sustained effort reflects MMCF's dedication to preserving Mewar's cultural heritage while fostering the education and empowerment of the next generation of women leaders.

Shriji Dr. Lakshyaraj Singh Mewar with the students and faculty of Government Girls Senior Higher Secondary School, Jagdish Chowk

आत्मा की ज्वाला

गुरुवार 06 अगस्त 2026 3

बालिका शिक्षा को मिला संबल, डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने निभाई विद्यादान की परम्परा

आत्मा की ज्वाला . उदयपुर - मेवाड़ की गौरवशाली विद्यादान परम्परा का निर्वहन करते हुए मेवाड़ के 77वें श्री एकलिंग दीवान डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर की छात्राओं की सम्पूर्ण वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। वर्ष 2023 से निरंतर जारी यह पहल बालिका शिक्षा के प्रति उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मेवाड़ की ऐतिहासिक परम्पराओं के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण है।

इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। भारत की बेटियों ने हर क्षेत्र के साथ-साथ खेलों में भी हाल ही में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। किन्तु आज भी ऐसी अनेक बालिकाएँ है, जो किसी न किसी कारण से पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है।

अपने पूर्वजों की गौरवशाली परम्पराओं का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़

शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण सहित विभिन्न सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान दे 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' जैसे अभियानों के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। निस्वार्थ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके नाम अनेक विश्व कीर्तिमान भी दर्ज हैं। विद्यालय की प्राचार्या दुर्गेश कुमारी शर्मा ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिये विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के पावन कार्य किये। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ अपने सुनियोजित प्रयासों से शिक्षा का निर्वहन कर रहे हैं।

162 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह जी के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का प्रथम विद्यालय 1864 में स्थापित किया गया, जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' नाम दिया गया। वर्ष 1866 में इसे कन्या विद्यालय के रूप में विकसित किया गया। यह मेवाड़ रियासत द्वारा स्थापित भारत के प्रारम्भिक कन्या विद्यालयों में से एक माना जाता है।

प्रातःकाल

उदयपुर, गुरूवार 6 अगस्त, 2026 5

बालिका शिक्षा को मिला संबल निभाई विद्यादान की परम्परा

उदयपुर (नगर संवाददाता)। मेवाड़ की गौरवशाली विद्यादान परम्परा का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर की छात्राओं की सम्पूर्ण वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। वर्ष 2023 से निरंतर जारी यह पहल बालिका शिक्षा के प्रति उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मेवाड़ की ऐतिहासिक परम्पराओं के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण है।

इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। भारत की बेटियों ने हर क्षेत्र के साथ-साथ खेलों में भी हाल ही में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। किन्तु आज भी ऐसी अनेक बालिकाएँ है, जो किसी न किसी कारण से पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है।

डॉ. लक्ष्यराज सिंह शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण सहित विभिन्न सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान दे 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' जैसे अभियानों के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। निस्वार्थ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके नाम अनेक विश्व कीर्तिमान भी दर्ज हैं।

विद्यालय की प्राचार्या दुर्गेश कुमारी शर्मा ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिये विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के पावन कार्य किये।

Development of Government Girls' Senior Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur

दैनिक भास्कर उदयपुर, गुरुवार 6 अगस्त, 2026 | 05

बेटियों को संबल, डॉ. लक्ष्यराज ने भरा छात्राओं का वार्षिक शुल्क

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक की छात्राओं की वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। वे वर्ष 2023 से लगातार इस विद्यालय की छात्राओं के लिए यह प्रेरणादायी कार्य करते आ रहे हैं।

इस मौके पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा सशक्त समाज की सबसे मजबूत आधारशिला है। भारत की बेटियों ने हाल ही में आयोजित कॉमनवेल्थ खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। इसके बावजूद आज भी कई बालिकाएं विभिन्न कारणों से बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना समाज और राष्ट्र, दोनों की प्रगति के लिए जरूरी है।

प्राचार्य दुर्गेश कुमारी शर्मा ने कहा कि मेवाड़ के विकास में शिक्षा की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मेवाड़ के महाराणाओं ने प्रजाहित और समाज उत्थान के लिए विद्यादान को सर्वोच्च महत्व देते हुए योजनाबद्ध तरीके से शिक्षा का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि डॉ. लक्ष्यराज सिंह उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में लगातार योगदान दे रहे हैं।

02 राजस्थान पत्रिका
उदयपुर, गुरुवार, 6 अगस्त 2026

डॉ. लक्ष्यराज सिंह ने निभाई विद्यादान की परंपरा, बालिका शिक्षा को संबल

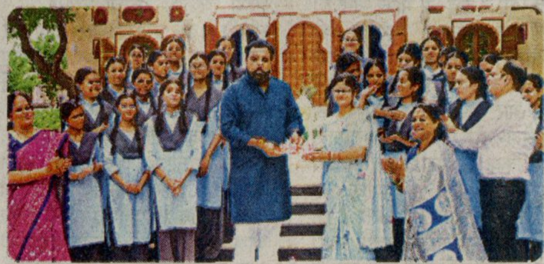

उदयपुर @ पत्रिका. मेवाड़ की गौरवशाली विद्यादान परम्परा का निर्वहन कर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक की छात्राओं की सम्पूर्ण वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। 2023 से निरंतर जारी यह पहल बालिका शिक्षा के प्रति उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मेवाड़ की ऐतिहासिक परम्पराओं के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। पर आज भी ऐसी अनेक बालिकाएं हैं, जो किसी न किसी कारण से पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देती हैं। इसलिए पूर्वजों की गौरवशाली परम्परा का निर्वहन कर विद्यादान की परंपरा निभाई। प्राचार्या दुर्गेश कुमारी शर्मा ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह भी इस परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। 162 वर्ष पूर्व महाराणा शम्भूसिंह के शासनकाल (1861-1874 ई.) में राज्य का प्रथम विद्यालय 1864 में स्थापित किया गया, जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' नाम दिया गया। 1866 में इसे कन्या विद्यालय के रूप में विकसित किया गया।

3 उदयपुर, गुरुवार, 06, अगस्त 2026 उदयपुर www.Youthkiawaaz.co.in यूथ की आवा

बालिका शिक्षा को मिला संबल, डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने निभाई विद्यादान की परम्परा

(यूथ की आवाज़)

उदयपुर। मेवाड़ की गौरवशाली विद्यादान परम्परा का निर्वहन करते हुए मेवाड़ के 77वें श्री एकलिंग दीवान डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जगदीश चौक उदयपुर की छात्राओं की सम्पूर्ण वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। वर्ष 2023 से निरंतर जारी यह पहल बालिका शिक्षा के प्रति उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मेवाड़ की ऐतिहासिक परम्पराओं के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण है। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। भारत की बेटियों ने हर क्षेत्र के साथ-साथ खेलों में भी हाल ही में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। किन्तु आज भी ऐसी अनेक बालिकाएँ है, जो किसी न किसी कारण से पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है। अपने पूर्वजों की गौरवशाली परम्पराओं का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण सहित विभिन्न सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान दे गो ग्रीन और सेव वाटर जैसे अभियानों के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। निस्वार्थ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके नाम अनेक विश्व कीर्तिमान भी दर्ज हैं। विद्यालय की प्राचार्या दुर्गेश कुमारी शर्मा ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिये विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के पावन कार्य किये। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ अपने सुनियोजित प्रयासों से शिक्षा का निर्वहन कर रहे हैं। 162 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शम्भूसिंह जी के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का प्रथम विद्यालय 1864 में स्थापित किया गया, जिसे शम्भूरत्न पाठशाला नाम दिया गया। वर्ष 1866 में इसे कन्या विद्यालय के रूप में विकसित किया गया। यह मेवाड़ रियासत द्वारा स्थापित भारत के प्रारम्भिक कन्या विद्यालयों में से एक माना जाता है।

8 उदयपुर एक्सप्रेस उदयपुर, गुरुवार 6 अगस्त 2026

बालिका शिक्षा को मिला संबल, डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने निभाई विद्यादान की परम्परा

ब्यूरो उदयपुर एक्सप्रेस

उदयपुर। मेवाड़ की गौरवशाली विद्यादान परम्परा का निर्वहन करते हुए मेवाड़ के 77वें श्री एकलिंग दीवान डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक, उदयपुर की छात्राओं की सम्पूर्ण वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। वर्ष 2023 से.निरंतर जारी यह पहल बालिका शिक्षा के प्रति उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मेवाड़ की ऐतिहासिक परम्पराओं के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण है।

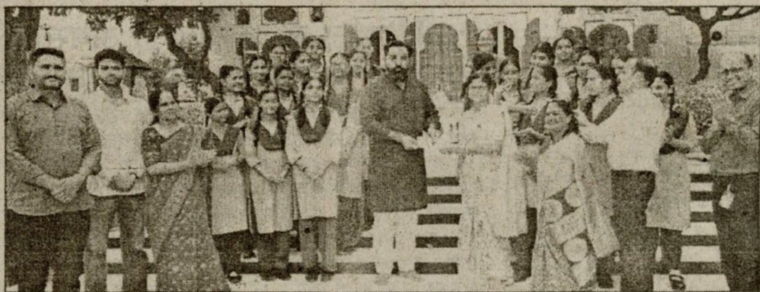

इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज की वास्तविक आधारशिला है। भारत की बेटियों ने हर क्षेत्र के साथ-साथ खेलों में भी हाल ही में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। किन्तु आज भी ऐसी अनेक बालिकाएँ है, जो किसी न किसी कारण से पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देती हैं। बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी सुनिश्चित करना है।

अपने पूर्वजों की गौरवशाली परम्पराओं का निर्वहन करते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पशु कल्याण, शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण सहित विभिन्न सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान दे 'गो ग्रीन' और 'सेव वाटर' जैसे अभियानों के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। निस्वार्थ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके नाम अनेक विश्व कीर्तिमान भी दर्ज हैं।

विद्यालय की प्राचार्या दुर्गेश कुमारी शर्मा ने बताया कि मेवाड़ के विकास की नींव सुदृढ़ करने में शिक्षा का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव प्रजाहित एवं समाज उत्थान के लिये विद्यादान को परम आवश्यक मानकर, योजनागत तरीकों से शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के पावन कार्य किये। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ अपने सुनियोजित प्रयासों से शिक्षा का निर्वहन कर रहे हैं।

162 वर्ष पूर्व मेवाड़ के 71वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा शम्भुसिंह जी के शासनकाल (1861-1874 ई.) में उदयपुर राज्य का प्रथम विद्यालय 1864 में स्थापित किया गया, जिसे 'शम्भूरत्न पाठशाला' नाम दिया गया। वर्ष 1866 में इसे कन्या विद्यालय के रूप में विकसित किया गया। यह मेवाड़ रियासत द्वारा स्थापित भारत के प्रारम्भिक कन्या विद्यालयों में से एक माना जाता है।

दैनिक नवज्योति 4 उदयपुर गुरुवार, 6 अगस्त, 2026

बालिका शिक्षा को मिला सहारा, डॉ. मेवाड़ ने निभाई विद्यादान की परंपरा

ब्यूरो नवज्योति,उदयपुर। मेवाड़ की ऐतिहासिक विद्यादानपरंपरा को आगे बढ़ाते हुए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीश चौक की छात्राओं की सम्पूर्ण वार्षिक शुल्क राशि का वहन किया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि बालिका शिक्षा सशक्त समाज कीआधारशिला है। बेटियां आज शिक्षा, खेल और विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रही हैं, लेकिन अभी भी कई बालिकाएं आर्थिक और अन्य कारणों से पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर होती हैं। ऐसे में उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है। विद्यालय की प्राचार्या दुर्गेश कुमारी शर्मा ने बताया कि मेवाड़ के महाराणाओं ने सदैव शिक्षा को समाज उत्थान का प्रमुख माध्यम माना और विद्यादान को जनकल्याण से जोड़ा। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेवाड़ में शिक्षा के प्रसार की परंपरा काफी पुरानी रही है। महाराणा शम्भूसिंह के शासनकाल (1861-1874 ई.) में वर्ष 1864 में उदयपुर राज्य का प्रथम विद्यालय 'शम्भूरत्न पाठशाला' स्थापित किया गया था। वर्ष 1866 में इसे कन्या विद्यालय के रूप में विकसित किया गया, जो भारत के प्रारंभिक कन्या विद्यालयों में से एक माना जाता है।

Continuing Mewar's Legacy of Girls' Education

For generations, the Maharanas of Mewar have remained steadfast patrons of education, with a special commitment to the advancement of girls' education. This enduring legacy continues under the trusteeship of Shriji Huzur Dr. Lakshyaraj Singh Mewar, Chairman and Managing Trustee of the Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF).

On 5th August 2026 Shriji Huzur Dr. Lakshyaraj Singh Mewar reaffirmed this commitment by sponsoring the full fees of 200 students of the Government Girls Senior Higher Secondary School, Jagdish Chowk, Udaipur, for the academic session 2026 - 2027.

This initiative carries forward a remarkable legacy. The Shambhuratna Pathshala founded in January 1864 during the reign of Maharana Shambhu Singh (r. 1861–1874 CE), the 71st Custodian of the House of Mewar. Later the institution was dedicated exclusively to region's first girls' school in 1866, becoming one of the earliest centres of female education in the region and laying the foundation for the empowerment of generations of young women.

Shriji Dr. Lakshyaraj Singh Mewar with the students and faculty of Government Girls Senior Higher Secondary School, Jagdish Chowk